

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:275। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 27 मई 2026 ||

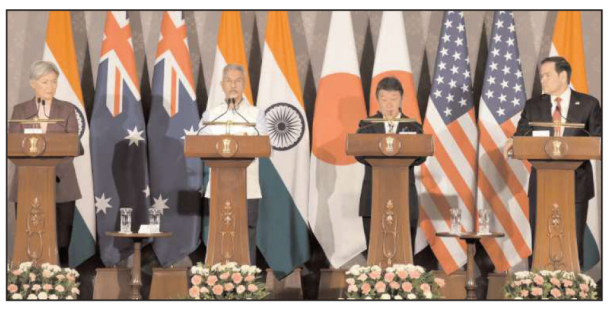
सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/


# क्वाड की राय, 'आतंकवाद से निपटने के लिए निर्णायक और निरंतर अंतरराष्ट्रीय प्रयास जरूरी'

## क्वाड देशों ने आंतकवाद के हर रूप और तरीके की निंदा की।

**एजेंसी**

**नई दिल्ली** । क्वाड देशों ने आंतकवाद के हर रूप और तरीके की निंदा की। मंगलवार को भारत की राष्ट्रीय राजधानी में संपन्न हुई बैठक में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से भी निर्णायक और निरंतर प्रयास करने की अपील की गई। मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि क्वाड दक्षिण-पूर्व एशिया और आस-पास के इलाकों में ऑनलाइन स्कैम सेंटर के बढ़ने को लेकर चिंतित है। ये एक देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि दूसरे देशों तक भी इनका प्रसार हो गया है। इन अपराधों में मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी, सेक्सुअल



एक्सटॉर्शन, गैर-कानूनी फाइनेंसिंग और साइबर क्राइम के मामले भी शामिल हैं। संयुक्त बयान में इन अपराधों का सामना करने के लिए सम्मिलित प्रयास और नियमों में सहयोग पर जोर दिया गया। इसका मकसद साझेदार देशों की क्षमता को बढ़ाने का है ताकि वे ऑनलाइन ठगी (स्कैम) सेंटरों और उनसे जुड़े अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से बेहतर तरीके से निपट सकें और उन्हें

**● 'अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने की क्षमता को मजबूत करेंगे'**

रोक सकें। क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने कहा, 'वे विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। भारत में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम और ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच में 14 दिसंबर 2025 को हुए आतंकी हमलों की भी निंदा की। हम अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को और निरंतर और निर्णायक बनाने का आह्वान करते हैं। ' क्वाड देशों ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सख्त और निरंतर कार्रवाई जरूरी है, जिसमें वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित आतंकियों, उनके संगठनों, समर्थकों और फंडिंग नेटवर्क के खिलाफ कदम शामिल हों।

# असम में अगले पांच वर्षों में दो लाख युवाओं को मिलेगा रोजगारः सीएम हिमंता सरमा

## ● असम में गरीबी दर में भी काफी कमी आई है : मुख्यमंत्री

**एजेंसी**

**गुवाहाटी** । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में अपनी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने बड़े आर्थिक विकास, गरीबी में कमी और रोजगार के अवसरों में विस्तार देखा है। सदन में एक चर्चा के दौरान सरमा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में असम का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.71 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है, जो उनके अनुसार राज्य में तेजी से हो रही आर्थिक प्रगति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि इसी दौरान असम में गरीबी दर में भी काफी कमी आई है। सरमा ने कहा कि पिछले पांच सालों में असम में गरीबी का स्तर नीचे आया है और अगले कुछ सालों में यह लगभग दो से तीन प्रतिशत और कम हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास



पहलों ने लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही राज्य के युवाओं के लिए दो लाख और नौकरियां देगी। उन्होंने विधानसभा में कहा कि इस बार फिर, अगले पांच सालों में दो लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र और रोजगार के अन्य क्षेत्रों में भर्ती के प्रति भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सरमा ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के शासनकाल के दौरान असम के बजट में कभी भी कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में असम के बजट में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई थी। मुख्यमंत्री ने आगे दावा किया कि पिछली सरकार के दौरान राज्य के सरकारी कर्मचारियों को उनका मासिक वेतन समय पर नहीं मिलता था।

# केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने पीएम मोदी से की मुलाकात

## कई मुद्दों पर हुई चर्चा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली** । केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन दिल्ली दौरे पर हैं। अपने इस कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। नए मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद हुई पीएम मोदी से सतीशन की यह मुलाकात राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और केरल से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मैंने प्रधानमंत्री से



केरल के भविष्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से हर संभव सहायता और समर्थन का अनुरोध किया।' प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, 'केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

# राजस्थान सीमा पर पहुंचे अमित शाह, जवानों से किया संवाद, सांचू पोस्ट से देखा पाकिस्तानी इलाका

## ● अमित शाह ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण भी किया।

**इस दौरान उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे।**

**एजेंसी**

**बीकानेर।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की ऐतिहासिक सांचू पोस्ट का दौरा कर जवानों का उत्साहवर्धन किया। भीषण गर्मी और 42 डिग्री तापमान के बीच शाह ने सीमा चौकी पर



तैनात जवानों से मुलाकात कर उनकी कार्यशैली, चुनौतियों और सीमा पर गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने सीमा पर तैनात जवानों के साहस और देश की सुरक्षा में उनके योगदान की सराहना की तथा जवानों के साथ जलपान कर संवाद भी किया। गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हेलीकॉप्टर से सांचू पोस्ट पहुंचे। यह पोस्ट भारत-पाक सीमा की सबसे ऐतिहासिक चौकियों में गिनी जाती है और दो बड़ी जंगों की गवाह रही है। अमित शाह देश ने इस पोस्ट पर जाकर जवानों से सीधे मुलाकात की। उन्होंने यहां से दूरबीन के जरिए पाकिस्तानी सीमा और जीरो पॉइंट क्षेत्र का भी अवलोकन किया। करीब डेढ़ घंटे तक सीमा चौकी पर रुककर उन्होंने जवानों से बॉर्डर एक्टिविटी, सुरक्षा व्यवस्था और आधुनिक चुनौतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल सहित बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सीमा चौकी पहुंचने से पहले अमित शाह ने सांचू माता मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने प्रहरी शस्त्र गैलरी का अवलोकन किया और सीमा सुरक्षा में उपयोग हो रही आधुनिक ड्रोन तकनीक की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

# बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर 18 जून को चुनाव

## नीतीश कुमार वाली सीट पर होगा उपचुनाव

**एजेंसी**

**पटना।** बिहार विधान परिषद की खाली हो रही 10 सीटों के लिए 18 जून को चुनाव कराया जाएगा। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मंगलवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद खाली हुई सीट भी शामिल है, जिस पर उपचुनाव कराया जाएगा। यह सीट विधानसभा कोटे से विधान परिषद के लिए भरी जाएगी और निर्वाचित सदस्य का कार्यकाल 6 मई 2030 तक रहेगा।

इसके अलावा बिहार विधान परिषद के नौ सदस्यों का कार्यकाल 28 जून को समाप्त हो रहा है। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है उनमें डॉ. कुमुद वर्मा, प्रो. गुलाम गौस, मोहम्मद फारूक, भीष्म सहनी, भगवान सिंह कुशवाहा, संजय प्रकाश, समीर कुमार सिंह, सम्राट



चौधरी और सुनील कुमार सिंह शामिल हैं। हालांकि इनमें से सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा की सीट पहले से खाली हैं, क्योंकि दोनों विधानसभा चुनाव में विधायक बन चुके हैं। चुनाव आयोग ने नीतीश कुमार की रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव और अन्य नौ सीटों के नियमित चुनाव के लिए अलग-अलग अधिसूचना जारी की है। आयोग के अनुसार, बिहार के साथ-साथ कर्नाटक विधान परिषद की कुछ सीटों के लिए भी चुनाव कराए जाएंगे।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 1 जून को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, जबकि 11 जून नाम वापस लेने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। यदि आवश्यक हुआ तो 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसके बाद उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना शुरू होगी और परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

# गडकरी ने पंजाब में 4,335 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

## ● गुणवत्ता निगरानी को लेकर दिए निर्देश

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब में 4,335 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव प्रगति की समीक्षा की।

यहां मंगलवार को हुई समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, हर्ष मल्होत्रा, एनएचएआई और सड़क परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा परियोजना ठेकेदार मौजूद रहे। बैठक के दौरान गडकरी ने जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में तेजी लाने, गुणवत्ता निगरानी को मज़बूत करने और आधुनिक निर्माण पद्धतियों



को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे परिसंपत्तियों की आयु बढ़ेगी, सवारी की गुणवत्ता सुधरेगी और प्रमुख कॉरिडोरों पर निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को अग्रिम मानसून तैयारी करने के निर्देश दिए। इसमें प्रभावी जल निकासी प्रबंधन, ढलान सुरक्षा उपाय और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र शामिल हैं ताकि व्यवधान कम हों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

# मालदा में सड़क अवरोध और न्यायिक अधिकारियों की हिरासत मामले में 15 आरोपित गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में पिछले महीने यातायात बाधित करने और न्यायिक अधिकारियों की अवैध हिरासत के मामलों में 15 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें 12 आरोपित एक महिला न्यायिक अधिकारी को लगभग आठ घंटे तक सड़क पर रोक कर रखने में शामिल थे, जबकि तीन अन्य ने मोथाबाड़ी ब्लॉक के बागमारा पुल पर सड़क




जाम किया था। एनआईए ने यह कार्रवाई चुनाव आयोग के निर्देश पर की, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इन घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। एजेंसी ने मालदा जिले में विशेष अभियान चलाकर सभी आरोपितों को पकड़ा। जांच में सामने आया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान न्यायिक अधिकारियों को निशाना बनाया गया। प्रदर्शनकारियों ने पहले हैबतौला-अमलितौला मार्ग पर महिला न्यायिक अधिकारी को घंटों तक बंधक बनाए रखा। इसके बाद बागमारा पुल पर सड़क अवरोध कर यातायात बाधित किया गया। इन घटनाओं को चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने और न्यायिक अधिकारियों को डराने की सुनियोजित कोशिश माना जा रहा है। गिरफ्तार मुख्य आरोपितों में जोशिम शेख, असमाउल शेख, आलमगीर शेख, नुरुल इस्लाम और हबीबुर रहमान शामिल हैं। एनआईए ने बताया कि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। एजेंसी इन घटनाओं के पीछे की साजिश तथा न्यायिक अधिकारियों की हिरासत के मकसद को उजागर करने की कोशिश कर रही है।

# जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क फिर सक्रिय करने की कोशिश

## अल-बद्र-हिजबुल गठजोड़ पर खुफिया एजेंसी अलर्ट

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय खुफिया एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों के मुताबिक, लंबे समय से कमजोर पड़ चुका अल-बद्र अब एक बार फिर घाटी में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए वह हिजबुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर संयुक्त वापसी की रणनीति पर काम कर रहा है।

**इस संगठन को कमजोर समझना बड़ी भूल**

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान में अल-बद्र के शीर्ष कमांडर हमजा बुरहान की हालिया मौत संगठन के लिए बड़ा झटका थी। इसके बावजूद भारतीय एजेंसियों का मानना है कि इस संगठन को कमजोर समझना बड़ी भूल हो सकती है। हालिया इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि अल-बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन



जम्मू-कश्मीर में फिर से अपने नेटवर्क को खड़ा करने की कोशिश में जुटे हैं। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए इन दोनों संगठनों का साथ आना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है, क्योंकि दोनों को घरेलू आतंकी संगठनों के तौर पर पेश किया जा सकता है। इन संगठनों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो वर्षों पहले पढ़ाई के बहाने पाकिस्तान गए थे, लेकिन वहां उन्हें प्रशिक्षण देकर घाटी में आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया गया।

### संगठनों की स्थिति को लेकर अधिकारी ने क्या बताया?

एक अधिकारी ने बताया कि अल-बद्र अकेले काम करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसके पास न तो पर्याप्त कैडर हैं और न ही पहले जैसी पकड़। लेकिन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ आने से उसे घाटी में फिर से पैर जमाने का मौका मिल सकता है। दोनों संगठन अब जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के असंतुष्ट आतंकियों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

**विष्णु देव साय बोले-**

# प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने नए युग में प्रवेश किया

**प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण**

**एजेंसी**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई और अभिनंदन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री साय ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गरीब,



किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया, वह आज देश के कोने-कोने में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की दिशा में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत/2047 का संकल्प आज जनभागीदारी और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

# पन्ना में निर्माणाधीन कुआं धंसा, 5 मजदूरों की मौत

**एजेंसी**

**पन्ना** । मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक कुएं का निर्माण चल रहा था। कई मजदूर काम में लगे थे। तभी अचानक निर्माणाधीन कुएं का हिस्सा धंस गया। इस हादसे में काम कर रहे मजदूर मिट्टी के मलबे के नीचे दब गए। जिसमें पांच मजदूरों की मौत हुई है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिहारपुरवा में एक कुएं के निर्माण का काम चल रहा था। अचानक यहां निर्माणाधीन कुएं का बड़ा हिस्सा धंसा गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर एक ही यादव परिवार के सदस्य हैं और लंबे समय से कुआं खोदने का काम कर रहे थे। काम के दौरान अचानक कुएं की मिट्टी भरभराकर गिर गई, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। रेस्क्यू टीम द्वारा अब तक दो मजदूरों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं, जबकि अन्य मजदूरों को निकालने के लिए राहत कार्य लगातार जारी है। बताया गया है कि यह निजी



कुआं है जिसका निर्माण कराया जा रहा था। इस काम में गाव के ही लोग लगे हुए थे। इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया और कुएं के अंदर मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए। पूरे इलाके में चीख-पुकार की आवाजें गूंजने लगीं। लोग राहत बचाव के काम में लग गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया।

## जागते रहोः VIP सभाओं में फ्यूल का धुआं, लेकिन दुनिया लाइन में खड़ी है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद/गांधीनगर।** एक तरफ देश का कमाने वाला चिलचिलाती गर्मी और अंधेरी रात में डीज़ल की एक-एक बूंद के लिए लाइनों में धक्के खा रहा है, पसीना बहा रहा है। दूसरी तरफ सरकारी बाबू और नेता हजारों गाड़ियों के शानदार काफिलों के साथ राजनीतिक सभाओं, डायरम और बड़ी-बड़ी कहानियों में फ्यूल का धुआं उड़ा रहे हैं। 'पक्को गुजरात' आज सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों और प्रशासन से एक सुलगता सवाल पूछता है - सरकार लोगों से पेट्रोल-डीज़ल बचाने की गुलाबी अपील करती है, लेकिन ऐसी फालतू सभाओं में करोड़ों रुपये के फ्यूल की बर्बादी क्यों नहीं रोकी जाती? अगर किसान रुक गए तो पूरा देश भूखा मर जाएगा! हालात बहुत गंभीर हैं, अगर समय पर फैसला नहीं लिया गया तो नतीजे बहुत बुरे होंगेः **खेत सूख जाएंगे:** अगर दुनिया के अमीरों को अपने ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए समय पर डीज़ल नहीं मिला तो लहलहाते खेत पल भर में श्मशान की तरह सूखी भट्टियां बन जाएंगे। बाजार में महंगाई की आगः ट्रक ड्राइवर खाली टैंक लेकर हाईवे पर फंसे हुए हैं। अगर ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप हो गया तो सब्जियों से लेकर ज़रूरी चीज़ों तक के दाम आसमान छू जाएंगे और महंगाई आम आदमी की जेबें जला देगी। अब प्राथमिकता किसकी है? जनता या दिखावा? सिस्टम को अब तय करना होगा कि वह देश चलाना चाहता है या सिर्फ़ वाहवाही लूटना चाहता है?

**1 देश की रीढ़:** किसान और ट्रांसपोर्टर जो देश को धड़काते रहते हैं?

**2 राजनीतिक-धार्मिक गुट:** या करोड़ों की कीमत पर सिर्फ़ दिखावा?

सरकार को अब जागना होगा और देहित में कड़े फैसले लेने होंगे! कहानियों, रैलियों और सभाओं में बहने वाले पेट्रोल-डीज़ल की बर्बादी पर तुरंत रोक लगानी होगी। नेताओं की गाड़ियों के AC में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल उन किसानों और ट्रांसपोर्टरों को दो जो भूखे और परेशान होकर लाइन में खड़े हैं!

## वर्ल्ड सिनेमा के नए एक्शन किंग बने डॉन ली; कोरियन 'सलमान खान' के मुरीद हुए भारतीय युवा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर/वडोदरा।** गुजरात की राजनीति में एक बार फिर 'लेटर बम' फेंका गया है और यह बम किसी विपक्षी पार्टी ने नहीं, बल्कि सत्ताधारी पार्टी BJP के साथ सख्त रुख रखने वाले सावली MLA केतन इनामदार ने फोड़ा है। सिर्फ 5 महीने के कम समय में दूसरी बार मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को सीधा लेटर लिखकर केतन इनामदार ने सरकारी बाबुओं (अधिकारियों) और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत का पर्दाफाश किया है। लेटर में ख़ुद ने साफ शब्दों में अपना गुस्सा जाहिर किया है कि करप्ट बाबुओं की वजह से लोगों के बीच सरकार की इमेज खराब हो रही है!

## मेसरी नदी पर बने पुल में 'लोलमालोल': करोड़ों रुपये पानी में?

इस बार केतन इनामदार ने वडोदरा जिले के सावली इलाके में मेसरी नदी पर बने पुल के घटिया और ढीले काम का मुद्दा उठाया है। काम पर सवालः लेटर में गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि पुल बनाने में गंभीर गड़बड़ियां और करप्शन हुआ है।

**लोगों की जान को खतराः** अब तक बने पुल की क्वालिटी इतनी खराब है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है और जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये करप्शन की भेंट चढ़ गए हैं। लेटर के मुख्य और जानलेवा हिस्सेः 'भ्रष्ट और गैर-ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे खराब काम की वजह से लोगों के बीच हमारी सरकार की इमेज खराब हो रही है। बार-बार कहने के बाद भी अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं, जो अब मंजूर नहीं है! '

## गांधीनगर में अधिकारियों की जान खतरे में है!

केतन इनामदार अपने तीखे और गुस्से वाले बयानों के लिए जाने जाते हैं। पहले भी वे इस्तीफ़े की धमकी देकर एडमिनिस्ट्रेशन को परेशान कर चुके हैं। अब जब उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री के सामने 'भ्रष्टाचार' का मुद्दा उठाया है और कार्रवाई की मांग की है, तो रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट के भ्रष्ट इंजीनियरों और अधिकारियों में हलचल मच गई है।

## राइम स्पेशलः टेस्ट के शौकीन गुजरातियों के साथ फ्रेंचाइजी के नाम पर बड़ी ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भरूच।** खाने-खिलाने के शौकीन गुजरातियों की इसी कमजोरी का फायदा उठाकर भरूच के एक चालाक पति-पत्नी ने 'बंटी-बबली' बनकर लाखों रुपये का फूड फ्रेंचाइजी स्कैम किया है। 'क्राफ्ट कुलचा' ब्रांड नाम से देश भर में बड़े आउटलेट खोलने के लिए गुलाबी पंख देकर इस लालची कपल ने इन्वेस्टर्स से लेकर गरीब महिला मजदूरों तक, सभी को ठगा है। हालांकि, पाप का घड़ा भर जाने के बाद, ठगों का यह गैंग आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ ही गया है। 60 आउटलेट के सपने दिखाकर लाखों का गबन किया मिली जानकारी के मुताबिक, भरूच के भारती नगर में रहने वाले इस पति-पत्नी ने देश भर में 'क्राफ्ट कुलचा' के करीब 60 आउटलेट शुरू करने का एक बड़ा नेटवर्क बनाया था। ब्रांडिंग देखकर कई इन्वेस्टर इस जाल में फंस गए और फ्रेंचाइजी खरीदने के नाम पर आंख मूंदकर लाखों रुपये इन्वेस्ट कर दिए। काम करने वाली महिलाओं और स्टाफ की सैलरी भी डकार गए! यह स्कैम सिर्फ इन्वेस्टर तक ही सीमित नहीं है, जरा इस कपल की क्रूरता देखिएः 40 महिलाएं बेरोजगारः इस कपल ने फ्रेंचाइजी के लिए फास्ट फूड का सामान और मसाले तैयार करने के लिए रखी गई करीब 40 लोकल गरीब महिलाओं की 3-3 महीने की सैलरी खा ली।

**50 कर्मचारी सड़क परः** इस कपल ने देश भर में मुश्किल से खुले 18 कैफे के 50 कर्मचारियों को बिना एक भी रुपया दिए रातों-रात बंद करवा दिया था।

## पुलिस ने बंटी-बबली के प्लान पर पानी फेर दिया

पीड़ितों ने सैलरी न मिलने पर पुलिस का दरवाजा खटखटाया और कैफे बंद करवा दिए गए। भरूच पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया, अलग-अलग टीमें बनाईं, लोकेशन ट्रेस की और फरार कपल को पकड़ लिया। फिलहाल, पुलिस इस स्कैम की जड़ तक पहुंचने और यह पता लगाने के लिए स्टैटिस्टिकल जांच कर रही है कि कुल कितने लाख या करोड़ रुपये की ठगी हुई है।

# मंदसौर चातुर्मास पर फिरौती गैंग की नजरः आस्था के महापर्व में खलल डालने वाले पाखंडी बेनकाब!

## झूठी अफवाहें और फेक फोटो फैलाने वालों पर पुलिस का शिकंजा शुरू।

महानगर मेट्रो ब्यूरो




**मंदसौर।** मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी मंदसौर में इस बार जैन धर्म के इतिहास का सबसे भव्यातिभव चातुर्मास आयोजित होने जा रहा है। यह पहला मौका है जब मंदसौर जैन तीर्थधाम पर एक साथ 5-5 पूज्य आचार्य भगवंतों का पावन मंगल प्रवेश और स्थिरता होने जा रही है। परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब, श्री सागरचंद्रसागर जी महाराज साहेब एवं श्री सोमयचन्द्रसागर जी महाराज साहेब जैसे महान संतों की निश्रा में पूरा मंदसौर और मध्य प्रदेश का जैन समुदाय भक्ति के सागर में गोते खा रहा है। समस्त मंदसौर जैन श्री संघ द्वारा आयोजित इस चातुर्मास को लेकर भक्तों में अभूतपूर्व उत्साह है। लेकिन, इस पावन और भक्तिमय माहौल को कुछ समाजकंटक और क्रिमिनल मानसिकता वाले लोग अपनी गंदी नजरों से दूषित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। कथित पत्रकारों और ब्लैकमेलरों की तिकड़ी का घिनौना खेल जैसे ही मंदसौर में इस ऐतिहासिक चातुर्मास की घोषणा हुई, समाज में छुपे कुछ आस्तीन के सांप और फिरौतीबाज सक्रिय हो गए। खुद को जैन समुदाय का हितैषी बताने का ढोंग करने वाला कथित पत्रकार हार्दिक हुडिया, क्रिमिनल मानसिकता वाला जगत पारेख, विक्रम बाफना और कल्पेश सिंघवी सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जहर उगल रहे हैं। ये वो चेहरे हैं जो दिन-रात जैन समाज को तोड़ने और संतों की साधना में विघ्न डालने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भ्रामक और झूठी अफवाहें फैलाकर इनका एकमात्र मकसद इस पावन चातुर्मास को किसी न किसी तरह रोकना और जैन संघ को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना है। भगवान महावीर का भी खौफ नहीं, चातुर्मास की आड़ में फिरौती का षड़यंत्र! आस्था पर चोट करने वाले इन पाखंडियों को भगवान महावीर के सिद्धांतों और कर्मा के फल का भी कोई खौफ नहीं है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, चातुर्मास में बाधा उत्पन्न करने और संतों की छवि खराब करने की धमकी देकर यह पूरी मंडली जैन संघ से मोटी फिरौती वसूलने का गंदा षड़यंत्र रच रही थी। लेकिन इस बार इन ब्लैकमेलरों का पाला एक जागृत और जागरूक समाज से पड़ा है।

**बड़ा खुलासाः** फेक तस्वीरें और झूठी खबरें हुई फेल इस गिरोह ने अपनी साज़िश के तहत एक राष्ट्रीय समाचार पत्र को गुमराह करके यह झूठी खबर चलवाई थी। लेकिन जब उस प्रतिष्ठित समाचार पत्र को सच्चाई का पता चला, तो उन्होंने दोबारा इस बकवास को कोई जगह नहीं दी। सच की जीत हुई। जैन श्री संघ ने पूज्य संतों को पूरी तरह क्लीनचिट दे दी है और जांच में यह साबित हो चुका है कि इंटरनेट पर फैलाए जा रहे सभी फोटो और दस्तावेज पूरी तरह फेक और एडिटेड हैं।

### सागर समुदाय की बढ़ती लोकप्रियता से पेट में दर्द, पीछे कौन है मास्टरमाइंड?

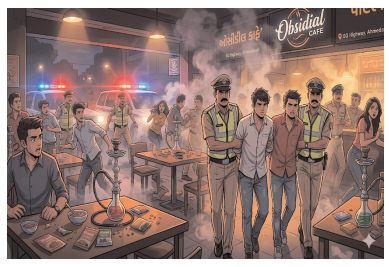
हैरानी की बात यह है कि इस विवाद को तूल देने वाले आरोपियों का न तो सागर समुदाय से कोई लेना-देना है और न ही वे जैन संघ से जुड़े हैं। दरअसल, सागर समुदाय की बढ़ती लोकप्रियता और जिन संघों से ये लोग जुड़े हैं, उनकी घटती साख इस विवाद की असली वजह है। जैन समुदाय को आपस में लड़ाकर तोड़ने का काम किया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि इन मोहरों के पीछे असली मास्टरमाइंड कौन है, जो सागर समुदाय को बदनाम करने के लिए इन्हें मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहा है?रारा तमाचाः समाज हुआ एकजुट, पुलिस कार्रवाई शुरू इन कलंकित और पाखंडी तत्वों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए पूरे मध्य प्रदेश का जैन समाज अब चट्टान की तरह एकजुट हो गया है। समाज विरोधी इन चेहरों को पूरी तरह पहचान लिया गया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी इन ब्लैकमेलरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

### महानगर मेट्रो का स्टैंडः समाज से बाहर फेंकने का वक्त

ऐसे धन-लोलुप, ब्लैकमेलर और संतों की निंदा करने वाले कलंकित व्यक्तियों को जैन समाज से तुरंत बहिष्कृत कर देना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी आस्था के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। साधु को कुसाधु कहने का हक़ इन लोगों को आखिर किसने दिया है? महानगर मेट्रो न्यूज़ ने बार-बार मुख्य आरोपी जगत पारेख को फोन करके सामने आने और सबूत पेश करने को कहा, लेकिन सच का सामना करने की बजाय वह सिर्फ बहाने बनाता रहा।जिनका काम जैन मुनियों को बदनाम करने के अलावा और कुछ नहीं है। महानगर मेट्रो न्यूज़ हमेशा सत्य की आवाज रहा है और रहेगा। हमारी इस निष्पक्ष और सच्ची खबर ने इन ब्लैकमेलरों की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। महानगर मेट्रो हर परिस्थिति में जैन समुदाय, जैन श्री संघ और पूज्य संतों के साथ अडिग खड़ा है और समाज को खोखला करने वाले ऐसे पाखंडियों को बेनकाब करने का अपना पत्रकारिता धर्म निभाता रहेगा।

## अहमदाबाद में पुलिस की बड़ी कार्रवाईः सोला पुलिस ने छारोडी के 'ऑब्सिडियल कैफे' में चल रहे हुक्का बार पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो




**अहमदाबाद।** शहर में गैर-कानूनी कामों और ड्रग्स की तस्करी पर पुलिस ने आंखें मूंद ली हैं। एक टिप-ऑफ के आधार पर, सोला पुलिस ने अहमदाबाद में स्त हाईवे के पास छारोडी इलाके में एक चहल-पहल वाले कैफे पर छापा मारकर एक बड़े हुक्का बार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोला पुलिस को सीक्रेट जानकारी मिली थी कि छारोडी के 'ऑब्सिडियल कैफे' में गैर-कानूनी हुक्का बार चल रहा है, जिसमें युवाओं को नशा दिया जा रहा था। इसी टिप-ऑफ के आधार पर पुलिस ने देर रात कैफे पर छापा मारा। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से कैफे संचालकों और वहां मौजूद ग्राहकों में भारी भगदड़ मच गई।

### 10 हजार रुपये का सामान जब्त

सोला पुलिस ने मौके से करीब 10,000 रुपये का सामान जब्त किया है। जिसमें पुलिस ने ये चीजें जब्त की हैंः 12 हुक्के 4 अलग-अलग बैन फ्लेवर हुक्के और चिरोटी बनाने में इस्तेमाल होने वाला दूसरा सामान। दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने इस गैर-कानूनी हुक्का बार को चलाने के लिए मौके से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान मयंक गोरवियाला और रोहित महावर के तौर पर हुई है। सोला पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है ताकि पता लगाया जा सके कि यह कैफे कितने समय से चल रहा था और क्या इसमें कोई और बड़े लोग शामिल हैं। गुजरात में हुक्का बार पर पूरी तरह बैन होने के बावजूद, ऐसे कैफे की आड़ में चल रहे नशे के अड्डों के खिलाफ पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से दूसरे गैर-कानूनी काम करने वाले लोगों में दहशत फैल गई है।

## अक्षय कुमार का अजीबोगरीब अवतार वायरलः 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना 'घिस घिस घिस' मचा रहा है तहलका!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** बॉलीवुड के ओरिजिनल खिलाड़ी और ज़बरदस्त एंटरटेनर अक्षय कुमार एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। मोस्ट अवेटेड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस गाने में अक्षय कुमार अपने अब तक के सबसे क्रेज़ी और अजीबोगरीब अवतार में दिख रहे हैं, जिसमें वह एक ज़बरदस्त भोजपुरी सुपरस्टार के रोल में दिख रहे हैं। चमकीले कपड़ों, ज़बरदस्त स्वैग और ज़बरदस्त कॉमिक टाइमिंग के साथ, अक्षय कुमार एक फिक्शनल भोजपुरी फिल्म की शूटिंग करते दिख रहे हैं। इंटरनेट पर फैंस इस सीन को भोजपुरी मसाला फिल्मों का मज़ेदार स्पूफ कह रहे हैं। जहां बड़े स्टार्स सेफ रोल पसंद करते हैं, वहीं अक्षय ने बिना किसी झिझक के यह लाउड और रंगीन किरदार निभाकर साबित कर दिया है कि कॉमेडी के किंग कौन हैं! अक्षय कुमार का नया गाना 'घिस घिस घिस' वायरल हो रहा है। 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह गाना अक्षय कुमार के अब तक के सबसे क्रेज़ी और अजीबोगरीब अवतार को दिखाता है, जिसमें वह एक ज़बरदस्त भोजपुरी सुपरस्टार के रोल में दिख रहे हैं। चमकीले कपड़ों, ज़बरदस्त स्वैग और ज़बरदस्त कॉमिक टाइमिंग के साथ, अक्षय कुमार एक फिक्शनल भोजपुरी फिल्म की शूटिंग करते दिख रहे हैं। इंटरनेट पर फैंस इस सीन को भोजपुरी मसाला फिल्मों का मज़ेदार स्पूफ कह रहे हैं। जहां बड़े स्टार्स सेफ रोल पसंद करते हैं, वहीं अक्षय ने बिना किसी झिझक के इस लाउड और रंगीन किरदार को निभाकर साबित कर दिया है कि कॉमेडी के किंग कौन हैं!

# BJP ने गुजरात के हिंदुओं को गुलाम बनाकर रखा, इतिहास में ऐसा धोखा कभी नहीं हुआ' - अरविंद केजरीवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल इन दिनों गुजरात के दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया। BJP की नीतियों और विकास के दावों पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि भगवा पार्टी ने राज्य के लोगों, खासकर बहुसंख्यक समुदाय को सिर्फ धोखा दिया है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, BJP के कार्यकर्ता आज बड़े-बड़े महलों में रह रहे हैं। विकास सिर्फ BJP नेताओं और उनके कार्यकर्ताओं का हो रहा है, जनता का नहीं। 'हिंदुओं का अपमान करने का आरोप केजरीवाल ने गुजरात के सामाजिक समीकरणों का हवाला देकर BJP पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने इमोशनल और गुस्से वाले लहजे में कहाः 'BJP के राज में गुजरात के हिंदुओं के साथ क्या हुआ है?

### पॉलिटिकल गलियारों में हलचल

अरविंद केजरीवाल के इस बयान के बाद गुजरात की पॉलिटिक्स में गरमाहट आ गई है। पॉलिटिकल एनालिस्ट का मानना है कि केजरीवाल का यह बयान BJP के कोर वोटर बैंक में सेंध लगाने की एक सोची-समझी स्ट्रैटेजी का हिस्सा है। आम आदमी पार्टी अब गुजरात में खुद को एक मजबूत ऑप्शन के तौर पर पेश करने के लिए 'डेवलपमेंट' के साथ-साथ 'हक की लड़ाई' का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा रही है। फिलहाल, केजरीवाल के इस सीधे हमले का BJP की तरफ से जवाब दिया जाना बाकी है, लेकिन इस बयान ने राज्य की पॉलिटिकल लड़ाई को और दिलचस्प बना दिया है।

## खोखरा वार्ड के कर्मठ कॉर्पोरेटर कमलेश पटेल को स्टैंडिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है।

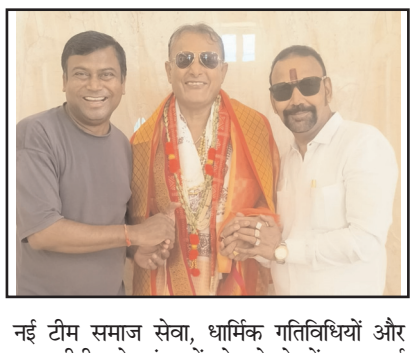


महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) की सबसे ज़रूरी स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन पद का सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। खोखरा वार्ड के पॉपुलर कर्मठ कॉर्पोरेटर और लोगों के मुद्दों की आवाज़ बनने वाले श्री कमलेशभाई पटेल को ऑफिशियली स्टैंडिंग कमेटी का नया चेयरमैन बनाया गया है। उनके अपॉइंटमेंट से पार्टी वर्कर्स और सपोर्टर्स में बहुत जोश और खुशी का माहौल है। श्री कमलेश पटेल लंबे समय से ज़मीनी लेवल पर लोगों से जुड़े हुए हैं। उनके लीडरशिप में खोखरा वार्ड में कई डेवलपमेंट के काम कामयाबी से पूरे हुए हैं। उनके एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल्स, सादगी और ऑर्गनाइज़ेशन पर मज़बूत पकड़ को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह बड़ी और ज़रूरी ज़िम्मेदारी सौंपी है। पॉलिटिकल एनालिस्ट्स के मुताबिक, कमलेशभाई के चेयरमैन बनने से अहमदाबाद शहर के डेवलपमेंट के काम को और तेज़ी और नई दिशा मिलेगी। चेयरमैन का पद संभालने पर, श्री कमलेश पटेल ने पार्टी लीडरशिप का शुक्रिया अदा किया और कहा, 'अहमदाबाद शहर के लोगों की सुविधा और भलाई मेरी प्राथमिकता होगी और सभी वार्ड के विकास के कामों को बराबर इंसाफ दिया जाएगा। '

# गौतमचंद गुलेच्छा सहित नई कार्यकारणी का श्रीश्रीमाल ने किया सम्मान ।

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**तमिलनाडु** . यहां तेरापंथ सभा भवन में श्री श्वेताम्बर जैन तेरापंथ सभा की नई कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतमचंद गुलेच्छा सहित पूरी कार्यकारणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष विजराज श्रीश्रीमाल एवं प्रसार प्रचार मंत्री दिनेश सालेचा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया तथा नई कार्यकारणी को सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। वक्ताओं ने कहा कि नई टीम समाज सेवा, धार्मिक गतिविधियों और युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। समारोह में समाज की एकता, संगठन और धार्मिक मूल्यों को मजबूत बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। उपस्थित वक्ताओं ने तेरापंथ सभा द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए नई कार्यकारणी से समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपेक्षा व्यक्त की। इस दौरान मोहनलाल तातेड़, निर्मलकुमार पारख, नेनमल कोठारी, श्रवणकुमार बोथरा, मोहनलाल गुलेच्छा, पारसमल डोडावाला, सभा के निवर्तमान अध्यक्ष अशोक कुमार जीरावला, जितेन्द्र गुलेच्छा, प्रवीण बुरड़, धीरज पारख, धीरज दुगड़, पवन चोपड़ा, श्रेयांस डागा, विकास संखलेचा, राजकुमार नाहटा, अभिनंदन बागरेचा, अक्षय लोढ़ा, कमलेश संखलेचा सहित नगर की विभिन्न संस्थाओं के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### ॥ हार्दिक बधाई ॥

खोखरा वार्ड के सफल कॉर्पोरेटर श्री कमलेशभाई पटेल को अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सबसे ऊंची और सबसे ज़रूरी कमेटी, स्टैंडिंग कमेटी का चेयरमैन चुने जाने पर बधाई। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि आपके कुशल, दूरदर्शी और प्रगतिशील नेतृत्व में, हमारा अहमदाबाद शहर विकास की नई ऊंचाइयों को छुए और जनता से जुड़े कामों में लगातार तेज़ी आए। आपके सफल और प्रेरणा देने वाले नए कार्यकाल की शुभकामनाएं।

**ग्रुप एडिटर- पवन माकन**

## 'टाटा केमिकल्स ने मरीन सेंचुरी को काला रेगिस्तान बना दिया': गुजरात हाई कोर्ट का सख्त रुख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर/जामनगर।** गुजरात हाई कोर्ट ने गुजरात के समुद्री पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ अब तक का सबसे सख्त रुख अपनाया है। जामनगर की मशहूर और संवेदनशील मरीन सेंचुरी में खुली नहरों के ज़रिए गैर-कानूनी केमिकल कचरा और प्रदूषित ज़हरीला पानी डालने के लिए हाई कोर्ट ने टाटा केमिकल्स लिमिटेड को कड़ी फटकार लगाई है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, जामनगर कलेक्टर और संबंधित अथॉरिटी की जॉइंट रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।

### हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी: 'प्राकृतिक धरोहर नष्ट हो गई है

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने प्रदूषण की भयावहता पर गुस्सा जताते हुए कहा कि टाटा केमिकल्स जैसी बड़ी कंपनी के पाप की वजह से मरीन सेंचुरी जैसी पवित्र और संवेदनशील जगह आज 'काला रेगिस्तान' बन गई है। जिस तरह से कानून को ताक पर रखकर खुली नहरों के ज़रिए केमिकल वाला ज़हरीला कचरा समुद्र और वाइल्डलाइफ़ सेंक्चुरी में छोड़ा गया है, वह माफ़ न करने लायक जुर्म है।

### हाई कोर्ट के एडमिनिस्ट्रेशन को सख्त आदेश

3 महीने के अंदर मुआवज़ा वसूला जाए: कोर्ट ने साफ़ आदेश दिया है कि अगले 3 महीने के अंदर एनवायरनमेंट को हुए नुकसान का सही अंदाज़ा लगाया जाए और टाटा केमिकल्स से भारी मुआवज़ा वसूला जाए। इंडस्ट्री बंद होने का खतरा: अगर कंपनी नियमों का पालन नहीं करती और पॉल्यूशन फैलाना बंद नहीं करती, तो पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को प्लांट को लॉक (बंद) करने समेत सभी सख्त कदम उठाने की खुली छूट दी गई है। ज़िम्मेदारों के खिलाफ़ कार्रवाई: सिर्फ़ जुर्माना ही नहीं, बल्कि एनवायरनमेंट को हमेशा के लिए नुकसान पहुँचाने वाले ज़िम्मेदार अफ़सरों और मैनेजमेंट के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जब देश में बड़े नाम वाली कंपनियाँ अपने मुनाफ़े के लिए गुजरात के नेचुरल रिसोर्स और समुद्री जीवन को कुर्बान कर रही हों, ऐसे में हाई कोर्ट का यह चाबुक तारीफ़ के काबिल है।

## कलोल में एक घर पर पत्थरबाजी की जानकारी लेने गए कपल पर लाठी और गदा से जानलेवा हमला किया गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**कलोल।** एक मोहल्ले में रहने वाले कपल पर, जो पत्थरबाजी जैसी मामूली बात की जानकारी लेने गए थे, पड़ोस में रहने वाले एक कपल ने लाठी और गदा से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल महिला को आगे के इलाज के लिए गोधरा सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। कलोल पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के मुताबिक, वैभव लक्ष्मी सोसाइटी में रहने वाले और हलोल की एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले नीलेशकुमार रमेशभाई वानकर 23 मई, 2026 को काम पर गए थे। इसी बीच, सुबह करीब 11 बजे, सोसाइटी में ही रहने वाले आरोपी रमेशभाई माकनभाई सोलंकी ने उनके घर के पीछे पत्थर फेंके। जब नीलेशभाई की पत्नी निशाबेन ने कहा, 'पत्थर कौन फेंकेगा, हमें चोट लगेगी? ', तो आरोपी रमेशभाई भड़क गया और उसे पीटने के लिए घर की तरफ दौड़ा और बोला, 'मैं पत्थर फेंकता हूँ, तुम जो चाहो करो।' दोपहर में जब नीलेशभाई काम से लौटा, तो उसकी पत्नी ने उसे पूरी सच्चाई बता दी। इसलिए वह कपल इस मामले पर बात करने के लिए आरोपी रमेशभाई सोलंकी के घर गया। वहाँ उससे पूछताछ करते समय, आरोपी रमेशभाई बहुत भड़क गया और उसे बुरी तरह गाली देने के बाद घर से एक डंडा ले आया। आरोपी ने डंडे से नीलेशभाई के बाएं कान पर मारा। फिर, जब वह उसे दूसरा डंडा मारने वाला था, तो नीलेशभाई एक तरफ हट गया, जिससे डंडा सीधे उसकी पत्नी निशाबेन के सिर के ऊपर लगा, जिससे उसकी स्किन फट गई और खून बहने लगा। उसी समय, आरोपी की पत्नी धर्मिष्ठाबेन सोलंकी ने निशाबेन को पकड़ लिया और रमेशभाई ने उसे डंडे से पीटा। जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार निशाबेन के सिर से बहुत ज़्यादा खून बहता देख, दोनों आरोपी अपने घर भागे। जाते समय आरोपियों ने धमकी दी, 'आज तू बच गई, अगर दोबारा हमारा नाम लिया तो हम तुझे जान से मार देंगे।

## वेजलपुर गांव में एक नए घर के आंगन से मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कलोल। पंचमहल जिले के कलोल तालुका के वेजलपुर गांव से एक मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। गाड़ी के मालिक ने इस घटना के बारे में ऑनलाइन e-FIR ÎÁ कराई, जिसके बाद वेजलपुर पुलिस स्टेशन में कानूनी केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच की जा रही है। शिकायत करने वाले मोहम्मद सोएब अहमद गुंगला (उम्र 31, पेशा: कडियाकम, मोटा धनचीवाड़ा, वेजलपुर के रहने वाले) के मुताबिक, पिछली तारीख 21/05/2026 को वह अपने लेबर के काम से लौटा और रात करीब 22:30 बजे उसकी मोटरसाइकिल हीरो HF डीलक्स (ग्रे और ब्लैक कलर) रजिस्ट्रेशन नंबर: GJ-23-DH-164 गायब हो गई। उसने अली मस्जिद के पास अपने नए घर के आंगन में स्टीयरिंग व्हील लॉक करके छोड़ दिया और सो गया। अगली सुबह जब वह 07:30 बजे उठा तो उसकी मोटरसाइकिल मौके पर नहीं मिली। आस-पास के इलाके और गांव में ढूंढने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पता चला कि कुछ अनजान चोरों ने स्टीयरिंग लॉक तोड़कर गाड़ी चुरा ली है, इसलिए शिकायत करने वाले ने आखिर में ऑनलाइन पोर्टल पर FIR दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने वेजलपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की और लगभग 20,000 रुपये की मोटरसाइकिल चोरी के लिए एक अनजान व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया और जांच कर रही है।

## शादी का झांसा देकर किशोरी को किडनैप किया, डिंडोली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। शहर के डिंडोली थाना इलाके से किडनैप की गई किशोरी को शादी का लालच देकर बार-बार फिजिकल रिलेशन बनाने वाले आरोपी के खिलाफ डिंडोली पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने किशोरी को अपने भरोसे में लिया और शादी की बात कहकर उसे घर से भगा ले गया। बाद में पता चला है कि किशोरी को उसके होमटाउन भी ले जाया गया था। जब पूरा मामला सामने आया तो परिवार ने पुलिस से संपर्क किया और डिंडोली थाने में जुर्म दर्ज कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डिंडोली पुलिस टीम ने जांच की और आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ किडनैपिंग और POCSO समेत अन्य धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पता चला है कि किशोरी को पुलिस सुरक्षित वापस ले आई है। डिंडोली पुलिस पूरे मामले की आगे की जांच कर रही है।

# आनंद के बांधणी गांव में अंबेडकर हॉल की जमीन को लेकर दलित समाज का उग्र प्रदर्शन,

## बांधणी गांव में अंबेडकर हॉल की जगह पर बनने वाले रास्ते को लेकर फूटा जनआक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आनंद।** जिले के पेटलाद तालुका स्थित बांधणी गांव में अंबेडकर हॉल की जगह को बचाने के लिए दलित समाज द्वारा किए गए उग्र विरोध से पूरे इलाके में सरगर्मी बढ़ गई है। ओएनजीसी के लिए रास्ता बनाने के उद्देश्य से जमीन आवंटन का काम शुरू होते ही दलित समाज के लोगों में भारी रोष फूट पड़ा और उन्होंने इसका कड़ा विरोध किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशासन द्वारा गांव में स्थित अंबेडकर हॉल के आसपास की जगह से नया रास्ता निकालने का काम शुरू किया गया था। दलित समाज के नेताओं और स्थानीय लोगों का स्पष्ट आरोप है कि अंबेडकर हॉल उनके समाज के लिए आस्था और सामाजिक कार्यक्रमों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है। उनका मानना है कि इस रास्ते के निर्माण से हॉल की जगह कम हो जाएगी, जिससे समाज के सामूहिक और सामाजिक कार्यों को भारी नुकसान पहुंचेगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में दलित समाज के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और प्रशासन के खिलाफ गहरी नाराजगी व्यक्त की। अपनी जमीन बचाने के लिए लोगों ने जोरदार नारेबाजी की और कड़ा संघर्ष किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और मामले को अधिक उग्र होने से रोकने के लिए पुलिस द्वारा मौके पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। घटनास्थल पर आला पुलिस अधिकारियों सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस की मौजूदगी में प्रशासन ने अपना काम आगे बढ़ाने का प्रयास किया। वहीं दूसरी ओर, विरोध कर रहे लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे अंबेडकर हॉल की जगह बचाने के लिए आखिरी दम तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। इस विरोध प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह पूरा मामला जिले में चर्चा का मुख्य केंद्र बन गया है। फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन पूरी तरह से पुलिस के नियंत्रण में बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि मामले को शांत करने के लिए प्रशासन और समाज के प्रमुख नेताओं के बीच जल्द ही समाधान के लिए बैठक और चर्चा हो सकती है।




प्राप्त जानकारी के अनुसार, आनंद के बांधणी गांव में अंबेडकर हॉल की जमीन को लेकर दलित समाज का उग्र प्रदर्शन, ओएनजीसी के रास्ते का हो रहा है विरोध आनंद जिले के पेटलाद तालुका स्थित बांधणी गांव में अंबेडकर हॉल की जगह को बचाने के लिए दलित समाज द्वारा किए गए उग्र विरोध से पूरे इलाके में सरगर्मी बढ़ गई है। ओएनजीसी के लिए रास्ता बनाने के उद्देश्य से जमीन आवंटन का काम शुरू होते ही दलित समाज के लोगों में भारी रोष फूट पड़ा और उन्होंने इसका कड़ा विरोध किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशासन द्वारा गांव में स्थित अंबेडकर हॉल के आसपास की जगह से नया रास्ता निकालने का काम शुरू किया गया था। दलित समाज के नेताओं और स्थानीय लोगों का स्पष्ट आरोप है कि अंबेडकर हॉल उनके समाज के लिए आस्था और सामाजिक कार्यक्रमों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है। उनका मानना है कि इस रास्ते के निर्माण से हॉल की जगह कम हो जाएगी, जिससे समाज के सामूहिक और सामाजिक कार्यों को भारी नुकसान पहुंचेगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में दलित समाज के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और प्रशासन के खिलाफ गहरी नाराजगी व्यक्त की। अपनी जमीन बचाने के लिए लोगों ने जोरदार नारेबाजी की और कड़ा संघर्ष किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और मामले को अधिक उग्र होने से रोकने के लिए पुलिस द्वारा मौके पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। घटनास्थल पर आला पुलिस अधिकारियों सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस की मौजूदगी में प्रशासन ने अपना काम आगे बढ़ाने का प्रयास किया। वहीं दूसरी ओर, विरोध कर रहे लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे अंबेडकर हॉल की जगह बचाने के लिए आखिरी दम तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

# 6 करोड़ रुपये एडवांस सैलरी ली, 50 लाख रुपये सैलरी पर पत्नी को रखा; रिश्तेदारों के चौंकाने वाले खुलास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** गुजरात के ड्रीम प्रोजेक्ट 'GIFT City' के नाम पर हुए 400 करोड़ रुपये के डेटा सेंटर स्कैम में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं, जिसने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया है। आम इन्वेस्टर अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के लिए जूझ रहे हैं और पुलिस मास्टरमाइंड उत्पल पटेल की तलाश कर रही है, उत्पल और उसका गैंग जनता के पैसे पर जो शानदार पार्टी कर रहा था, उसका पर्दाफाश हो गया है। यह चौंकाने वाला खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि उत्पल पटेल के अपने रिश्तेदार ने किया है!

### जनता का पैसा... और उत्पल की पार्टी!

जांच में सामने आई डिटेल्स देखकर लॉ एंड ऑर्डर भी हैरान रह गया है। सबूत मिले हैं कि उत्पल पटेल ने इन्वेस्टर्स के करोड़ों रुपये डेटा सेंटर में इस्तेमाल करने के बजाय अपनी पर्सनल मौज-मस्ती में उड़ा दिए: 6 करोड़ रुपये की एडवांस सैलरी: कंपनी अभी ठीक से शुरू भी नहीं हुई थी, लेकिन मास्टरमाइंड उत्पल पटेल ने अपने नाम पर 6 करोड़ रुपये की मोटी एडवांस सैलरी ले ली थी!

**पत्नी को '50 लाख' सैलरी:** भाई-भतीजावाद और लूट की हद देखिए, उत्पल पटेल ने कंपनी में बिना कोई खास काम किए अपनी पत्नी को हर महीने 50 लाख रुपये की अंधी सैलरी पर नौकरी पर रख लिया था।

**लग्ज़री पार्टियां:** इन्वेस्टर्स के पैसे से देश-विदेश के फाइव स्टार होटलों में महंगी पार्टियां और लग्ज़री लाइफस्टाइल का मज़ा लिया जाता था।

### जीजा ने खुद खोला राज!

इस स्कैम में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब उत्पल पटेल के अपने जीजा ने कानून के सामने धमाकेदार खुलासे किए। साले के मुताबिक, उत्पल पटेल का शुरू से ही डेटा सेंटर के नाम पर कागजों पर प्रोजेक्ट दिखाकर बड़ा फंड जुटाने का प्लान था। फंड आने के बाद रिश्तेदारों और दोस्तों को पद बांटकर सैलरी के नाम पर करोड़ों रुपये हड़प लिए गए। मास्टरमाइंड को पकड़ने के लिए पुलिस दौड़ी फिलहाल, 400 करोड़ का यह घोटाला करने के बाद फरार उत्पल पटेल को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें आसमान से लेकर धरती तक काम कर रही हैं। इन्वेस्टर्स में भारी गुस्सा है और वे किसी भी तरह से अपना मूलधन वापस पाना चाहते हैं।

## गुजरात गौरव अवॉर्ड 2026 का पालनपुर में शानदार आयोजन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गुजरात।** बुनाई कलाकार रामजी मारवाड़ा को सम्मानित किया गया, 'अब्दुल मियां' शरद सांकला ने अवॉर्ड दिया कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'आर्ट ऑफ़ कल्चर' संस्था ने पालनपुर, बनासकांठा में 'गुजरात गौरव अवॉर्ड 2026' का शानदार आयोजन किया। इस मौके पर पारंपरिक कला को ज़िंदा रखने वाले कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में, माँ सायरा यक्ष बुनाई के जाने-माने कारीगर और अपने नए और आकर्षक डिज़ाइन के लिए मशहूर ड्श्री रामजी मारवाड़ाड्ड को हस्तशिल्प के क्षेत्र में उनके बेहतरीन काम के लिए _'गुजरात गौरव अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। अब्दुल मियां से सम्मान: 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 'अब्दुल मियां' का किरदार निभाने वाले मशहूर एक्टर ड्श्री शरद सांकलाड्ड चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद थे। रामजी मारवाड़ा को अवॉर्ड, शॉल और एक यादगार चीज़ देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। रामजी मारवाड़ा ने माँ सायरा यक्ष की पारंपरिक बुनाई को मॉडर्न डिज़ाइन के साथ एक नया मोड़ दिया है। अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने कहा, ड्ड 'यह अवॉर्ड सिर्फ़ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि बुनाई की हमारी सदियों पुरानी परंपरा के लिए भी सम्मान की बात है।

## पाल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आदिल अब्दुल पटेल बैन मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ पकड़ा गया सूरत शहर के पाल पुलिस स्टेशन इलाके में पाल पुलिस टीम ने नशा मुक्त अभियान के तहत अहम कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को बैन मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ पकड़ा। पुलिस को मिली खास जानकारी के आधार पर उन्होंने निगरानी रखी और कार्रवाई की और आरोपी आदिल अब्दुल पटेल को पकड़ने में कामयाब रहे। जांच के दौरान आरोपी के पास से भारी मात्रा में बैन नशीला पदार्थ मेफेड्रोन बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है। साथ ही, इस बात की भी जांच शुरू कर दी है कि ड्रग्स कहां से लाए जा रहे थे और किसे सप्लाई किए जा रहे थे। सूरत शहर पुलिस शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। हा कि शहर में नशे के गैर-कानूनी धंधे के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# नामदेव छीपा समाज (42 गांव) का दो दिवसीय 29वां वार्षिकोत्सव आज से, सजेगी भजनों की महफिल, कल निकलेगी भव्य शोभायात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भीनमाल।** निकटवर्ती मोहब्बतनगर स्थित आराध्य देव श्री नामदेवजी मंदिर का 29वां वार्षिकोत्सव आज से बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ शुरू होने जा रहा है। 42 गांव छीपा समाज संस्थान के बैनर तले आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय धार्मिक उत्सव को लेकर समाज बंधुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है और देश के कोने-कोने से समाज के लोगों का मोहब्बतनगर पहुँचना शुरू हो चुका है।

### आज रात्रि में सजेगी भजनों की महफिल, लगेंगी बोलियाँ

कमेटी सचिव लहरचंद छीपा ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मोहब्बतनगर में 42 गांव छीपा समाज कमेटी के तत्वावधान में भव्य आयोजन हो रहा है। उत्सव का श्रीगणेश 27 मई (आज) को



विशाल भजन संध्या के साथ होगा। रात्रि में आयोजित होने वाली इस भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक भगवान नामदेव के भजनों की प्रस्तुतियाँ देंगे। इसी दौरान मंदिर के विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और चढ़ावे की बोलियाँ भी सम्मानपूर्वक बोली जाएंगी।

### कल होगा ध्वजारोहण, प्रतिभाओं और भामाशाहों का होगा सम्मान

उत्सव के दूसरे दिन 28 मई को सुबह मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए जाएंगे। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के शिखर पर परंपरागत रूप से ध्वजारोहण कर महाआरती का आयोजन होगा। इस मुख्य समारोह के दौरान समाज के गौरव और शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित समाज हित में योगदान देने वाले भामाशाहों का मंच से बहुमान किया जाएगा। कमेटी अध्यक्ष थानमल छीपा नारादरा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 28 मई को श्री नामदेवजी मंदिर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में विशेष रूप से श्रृंगारित रथ में संत शिरोमणि श्री नामदेवजी महाराज की पावन तस्वीर विराजमान रहेगी। डीजे की थाप और पारंपरिक भजनों की धुन पर समाज के युवा और युवतियाँ नाचते-गाते हुए चलेंगे। यह शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों और चौराहों से होती हुई पुनः मंदिर पहुँचकर विसर्जित होगी। मेले के मुख्य लाभार्थी भामाशाह समरथ मल छीपा परिवार (कैलाशनगर) की ओर से समस्त समाज बंधुओं के लिए विशाल महाप्रसाद (भोज) का आयोजन किया गया है।

# अमेरिका में एक और गुजराती मर्डर: मेहसाणा की बेटी मेघना पटेल को अनजान हमलावरों ने गोली मारकर मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मेहसाणा।** विदेशी धरती पर एक गुजराती पर जानलेवा हमले की एक और बुरी घटना सामने आई है। अमेरिका में बस चुकी मेहसाणा जिले की बेटी मेघना पटेल की अनजान हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जिससे पूरा गुजराती समाज सदमे में है।

### अचानक हुई गोलीबारी में उनकी जान चली गई।

मिली जानकारी के मुताबिक, मेहसाणा जिले के जंत्राल गांव की रहने वाली और अभी अपने परिवार के साथ अमेरिका में रहने वाली मेघना पटेल पर अनजान हमलावरों ने अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमला इतना जानलेवा था कि गंभीर रूप से घायल मेघना की मौके पर ही मौत हो गई।

हमलावरों का मेघना पटेल को निशाना बनाने और इतना बड़ा कदम उठाने का इरादा या वजह क्या थी, इस बारे में अभी कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की खबर मिलते ही लोकल अमेरिकन पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा और अनजान हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज करके पूरे मामले की डिटेल में जांच शुरू कर दी।

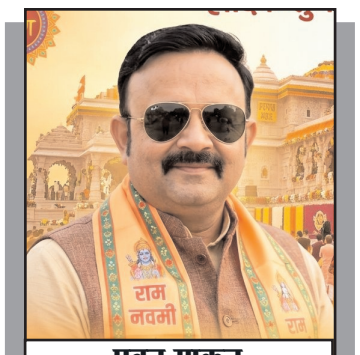
### जंतराल गांव समेत प्रवासी गुजरातियों में मातम का माहौल

जैसे ही यह दिल दहला देने वाली खबर मेहसाणा के जंत्राल गांव पहुंची, पूरा इलाका मातम में डूब गया और वहां भारी हंगामा मच गया। अमेरिका में रहने वाले गुजराती समुदाय में भी इस घटना के बाद काफी गुस्सा और डर देखा जा रहा है। ऐसी चौंकाने वाली स्थिति पैदा हो गई है जैसे उस परिवार पर तूफान आ गया हो जिसने अपनी बेटी खो दी हो।





# यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

**आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं।**



किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः' का उद्घोष किया, जिस धरती से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी 'गलती' केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में 'वृद्ध सम्मान' को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मयार्दाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

## संपादकीय

### एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतः ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है। वे जापान के फुकुतो कोमुरो से महज .01 सेकेंड ही पीछे रहे हैं। विश्वास करना चाहिए कि भविष्य में गुरिंदरवीर सिंह नये मुकाम हासिल करेंगे।

यह विरोधाभास ही है कि जब कोई खिलाड़ी रिकॉर्ड कामयाबी हासिल करता है तो हम उसे पलक-पावड़ों पर बैठा देते हैं। मान-सम्मान और पुरस्कार देते हैं। लेकिन यदि छोटी उम्र में ही प्रतिभा को पहचान करके उसे पर्याप्त संसाधन व प्रशिक्षण प्रदान करें तो देश में कई गुरिंदरवीर तैयार हो सकते हैं। गुरिंदरवीर सिंह की इस कामयाबी के पीछे कई प्रेरणादायक कहानियां भी निहित हैं। उनका मानवीय पहलू हमारे समाज की सकारात्मक ऊर्जा को दशार्ता है। उनके पिता ने अपने बेटे को दौड़ के अभ्यास हेतु भेजने के लिये किश्तों में एक पुराना स्कूटर खरीदा था। जो बताता है कि एक तरफ क्रिकेट खिलाड़ियों पर लाखों-करोड़ों वारे जाते हैं तो दूसरी ओर परंपरागत खेलों से जुड़े खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है। वहीं गुरिंदरवीर सिंह को तराशने-निखारने की यात्रा में भारतीय नौसेना के योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जिसने गुरिंदरवीर सिंह को ट्रैक पर उत्कृष्ट सफलता हासिल करने हेतु संबल दिया। निस्संदेह, गांव-कस्बों से निकलने वाली प्रतिभाओं की कामयाबी के पीछे सीमित संसाधनों वाले माता-पिता के दृढ़ संकल्प और त्याग की कहानी छिपी रहती है। गुरिंदरवीर सिंह जैसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी के पीछे एक परिवार शिद्दत के साथ खड़ा होता है, जो उसके सुनहरे भविष्य के लिये अपनी सुख-सुविधा, बचत व आर्थिक सुरक्षा तक त्याग कर देता है।

## चिंतन-मनन

### धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

# कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश



मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरूआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरूआत और संस्थापकः इसकी शुरूआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है। मुख्य मांग और विवादः इस पार्टी की वेबसाइट पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर अभियान चलाया गया था और भारी संख्या में लोगों ने याचिका पर साइन किए थे। बाद में सीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट को तकनीकी या सरकारी कारणों से बंद कर दिया गया।यह कोई वास्तविक या पंजीकृत राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि युवाओं के गुस्से और असंतोष को व्यक्त करने का एक डिजिटल माध्यम है। अब पार्टी ने इंस्टाग्राम पर एक लंबे पोस्ट में यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी मुसीबतों के आगे घुटने नहीं टेकेगी। पार्टी ने लिखा, कॉकरोच सबसे बड़े सर्वाइवर होते हैं। ये अंधेरे कोनों मेंग भी पनपते हैं और हर परेशानी के बाद भी टिके रहते हैं। देश के युवाओं का हाल भी आज ऐसा ही है। लेकिन कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, कॉकरोचेस ने तो अभी सिर्फ शुरूआत की है। सीजेपी ने कहा है कि इस मुहिम एक आंदोलन में बदलने जा रहे हैं। सीजेपी ने कहा है कि उनकी विचारधारा भारत के संविधान से प्रेरित है। वे महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, शहीद भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस से प्रेरणा लेकर धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ेंगे।उधर सीजेपी ने अपने 2.2 करोड़ से ज्यादा के कम्युनिटी बेस से देश में बदलाव लाने के लिए सुझाव भी मांगे हैं। आने वाले दिनों में सबसे बेहतरीन आइडियाज को चुनकर देशव्यापी कैंपेन और जमीनी कार्रवाई की शुरूआत करने की बात की गई है। इस दौरान पार्टी का फोकस बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और सरकारी संस्थाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर होगा। इस बीच पेज को शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को धमकियां मिलने के बाद उनके घर के बाहर पुलिस को तैनात कर दिया गया है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले अभिजीत दिपके के माता-पिता के घर के बाहर अब 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। हालांकि अभिजीत खुद अमेरिका के बोस्टन में हैं। अभिजीत दिपके ने खुलासा किया है कि उन्हें और भारत में उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल नहीं रही हैं। उन्हें एक वीडियो भी मिला है जिसमें कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े दिख रहे हैं। यहां यह भी बता देंकि कुछ विपक्षी दल इस प्रकरण में सरकार के खिलाफ युवाओं का मोहभंग बगावत और बदलाव की बयार चलने की उम्मीद सजा रहे हैं लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि सोशलमीडिया हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' के पास कोई राजनीतिक जमीन नहीं है,नेतृत्व नहीं है जबकि आम आदमी पार्टी राजनीतिक व्यवस्था को बदलने की जमीन तैयार करने के बाद अस्तित्व में आई थी।

# जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान



तरुण विजय




लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ।

इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का हृदय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हजार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं। उन्ही की और इंगित करते होते अमित शाह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का हमारे प्रति इतना विश्वास है कि हाल ही के बंगाल चुनावों में प्रदेश की सोलह में से सोलह जनजातीय सीटें भाजपा ने जीतीं हैं।

लाल किले के जनजातीय समागम में मणिपुर, अरुणाचल, नागालैंड और असम की बहनों ने इतना सुंदर वंदे भारतम गाया की सब चकित रह गए। इस समागम की गूंज आने वाले वर्षों तक केवल गूंजती हे नहीं रहेगी बल्कि इसका असर होगा और भारत सरकार को बाध्य होना पड़ेगा कि वह धर्मान्तरित होने वाले तमाम जनजातीय लोगों को डी लिस्ट करे शिड्यूल ट्राइब से बाहर निकाले।

इस समागम ने जनजातीय समाज को शक्ति दी है, भक्ति दी है, युक्ति दी है, तत्त्वचिंतन दिया है और पराक्रम का एक भाव जागृत किया है कि हम जनजातीय हैं, हम भारत माता की संतान हैं, हम कभी परास्त नहीं होंगे राष्ट्र के शत्रुओं को, संस्कृति और धर्म के शत्रुओं को हम परास्त करेंगे।

## लो आ गई तारीख... जानें कब मिलेगी इस भीषण गर्मी से राहत, IMD ने बताया इस दिन से बदलेगा मौसम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**यूपी।** नौतपा शुरू होते ही भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है. बांदा में तापमान 47.6 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि कई जिलों में पारा 45 डिग्री पार है. मौसम विभाग ने पूर्वी यूपी में गंभीर लू का अलर्ट जारी किया है. हालांकि राहत की खबर यह है कि मौसम विभाग की मानें तो 29 मई के बाद तापमान 6 से 8 डिग्री तक गिर सकता है और लोगों को झुलसाती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है. यूपी इस वक्त आग उगलती गर्मी की चपेट में है. सुबह होते ही सूरज ऐसा तप रहा है मानो आसमान से अंगारे बरस रहे हों. दोपहर की सड़कें सुनसान पड़ने लगी हैं, बाजारों में भीड़ कम हो गई है और लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं. नौतपा की शुरुआत के साथ ही प्रदेश में गर्मी ने अपने सबसे खतरनाक तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं. लेकिन इसी तपिश के बीच अब लोगों के लिए राहत की खबर भी सामने आई है. मौसम विभाग ने आखिर वह तारीख बता दी है, जब इस भीषण गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने के आसार बेहद कम हैं. हालांकि 29 मई के बाद मौसम करवट ले सकता है और तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है. यही वजह है कि भीषण गर्मी से परेशान लोग अब 29 मई का इंतजार करने लगे हैं. इस सोमवार से नौतपा की शुरुआत हुई है. भारतीय परंपरा में नौतपा को साल का सबसे गर्म दौर माना जाता है. मान्यता है कि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तभी नौ दिनों तक चलने वाला यह दौर शुरू होता है. इस बार नौतपा ने शुरुआत से ही अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है. प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच चुका है. बांदा पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के सबसे गर्म इलाकों में शामिल रहा. यहां तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. सड़कें दोपहर में तवे की तरह तपती दिखाई दीं. इसके अलावा झांसी में 46 डिग्री, उरई में 45.8 डिग्री, आगरा में 45.5 डिग्री, प्रयागराज में 45.4 डिग्री और हमीरपुर में 45.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया. राजधानी लखनऊ भी गर्मी से बेहाल नजर आया. यहां अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री तक पहुंच गया. भीषण गर्मी का असर अब आम जिंदगी पर साफ दिखने लगा है. दोपहर 12 बजे के बाद शहरों की सड़कें खाली नजर आने लगी हैं. लोग जरूरी काम न होने पर घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं. सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों और सड़क किनारे काम करने वाले लोगों को हो रही है. गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं. डॉक्टरों का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी के चलते डिहाइड्रेशन, चक्कर आने और हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ रही है.

## भोपाल में बनने जा रहा है पहला सरकारी डॉग शेल्टर, 1 एकड़ में खुलेगा आधुनिक सेंटर, 2000 कुत्तों को रखने की क्षमता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** शहर को आवारा कुत्तों के आतंक से मुक्ति दिलाने और सार्वजनिक जगहों को सुरक्षित बनाने के लिए भोपाल नगर निगम ने एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2025 के निर्देश का पालन करते हुए बीएमसी कोलाज के कलियासोत इलाके में शहर का पहला सरकारी डॉग शेल्टर बनाने जा रही है। एक एकड़ में फैलने वाले इस आधुनिक केंद्र में करीब 1,500 से 2,000 आवारा कुत्तों को एक साथ रखने की क्षमता होगी। इस प्रोजेक्ट के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। इन 9 'नो-डॉग जोन्स' पर रहेगा पहला फोकस बीएमसी के वेटरनरी विंग के अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती चरण में शहर के नौ चिन्हित 'नो-डॉग जोन्स' से ही कुत्तों को पकड़कर इस नए शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाएगा। इन जोन्स में स्कूल, अस्पताल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शामिल हैं, जहां आवारा कुत्तों की मौजूदगी के कारण सुरक्षा और स्वच्छता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। पिछले साल शहर में ऐसी करीब 900 लोकेशन की पहचान की गई थी, जहां से अब चरणबद्ध तरीके से आवारा कुत्तों को हटाया जाएगा। फिलहाल बीएमसी अरवलिया, आदमपुर छावनी और कजलीखेड़ा में तीन एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर चलाती है, जहां सालाना करीब 20,000 कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है। हालांकि, इन सेंटर्स में कुत्तों को नसबंदी के बाद सिर्फ पांच दिन ही रखा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया था कि सिर्फ नसबंदी से इस समस्या का हल नहीं निकलेगा, इसलिए हर जिले में स्थायी शेल्टर होम बनाए जाएं। फिलहाल इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन की व्यवस्था और निर्माण का काम इंजीनियरिंग विभाग को सौंपा गया है।

# भोजशाला में महाआरती, सरस्वती लोक का ऐलान, सीएम मोहन यादव ने रख दी अगले चुनावों में जीत की नींव

**भोजशाला में मां वाग्देवी की पूजा-अर्चना कर 'मां सरस्वती लोक' बनाने का बड़ा एलान किया है। हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद इस दौरे को सूबे की राजनीति में एक नए मील का पत्थर माना जा रहा है।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**धार।** भोजशाला विवाद में हाई कोर्ट के फैसले के बाद मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से अभी कोई दिशा-निर्देश नहीं आया है। इससे पहले सीएम मोहन यादव ने भोजशाला में सरस्वती लोक बनाने का ऐलान कर दिया। वह यहां जाने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बन गए। हाई कोर्ट के फैसले के बाद ही पूजा-पाठ का दौर शुरू हो गया है। अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी, इससे पहले मोहन यादव ने 2028 और 2029 के चुनाव में बीजेपी की जीत की नींव रख दी। बता दें कि राम मंदिर की तरह भोजशाला भी आरएसएस के एजेंडे में रहा है। 'सरस्वती लोक' का किया ऐलान इस दौरे को केवल एक धार्मिक रूप में नहीं, बल्कि भाजपा और संघ परिवार के एक बड़े सांस्कृतिक प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है। अयोध्या, काशी और मथुरा के बाद भोजशाला हमेशा से दक्षिणपंथी संगठनों के एजेंडे में रहा है। सीएम मोहन यादव ने इस मौके पर धार में 'मां सरस्वती लोक' और 'राजा भोज रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना करने की बड़ी घोषणा की। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और हर्षवर्धन जैसे शासकों का जिक्र करते हुए मालवा को सनातन संस्कृति का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि राजा भोज ने ही दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग बनवाया था।

### विकास की राजनीति लेकिन कानूनी चुनौती

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम आगामी चुनावों के लिए एक मजबूत नैरेटिव तैयार करेगा। मुख्यमंत्री ने इस धार्मिक प्रतीकवाद को विकास से जोड़ते हुए धार के लिए 88 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क का हवाला देते हुए कहा कि 'विरासत और विकास' साथ-साथ चलेंगे।

# 'मुझे चाहते हो तो कलेक्टर से मिलकर आओ', गर्लफ्रेंड की जिद पर 600 चरूदूर से आया ड्राइवर तो अस्पताल पहुंचे DM

**अपनी गर्लफ्रेंड की शर्त को पूरी करने के लिए एक युवक यूपी के चंदौली से दतिया पहुंचा था। दतिया कलेक्ट्रेट ऑफिस में वह बेहोश होकर गिर गया।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**दतिया:** मध्य प्रदेश के दतिया जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सोमवार को दतिया कलेक्टर में एक व्यक्ति की तबीयत बिगड़ गई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया तो पता चला कि वह यूपी के चंदौली से आया है। आने की वजह पूछी गई तो लोग हैरान रह गए। वह अपनी गर्लफ्रेंड की शर्त पूरी करने आया है। गर्लफ्रेंड ने उसके सामने शर्त रखी थी कि मुझे चाहते हो तो दतिया कलेक्टर से मिलकर आओ।

### चंदौली से आया राजकुमार

दरअसल, राजकुमार यूपी के चंदौली का रहने वाला है। उसकी एक गर्लफ्रेंड है। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती है। गर्लफ्रेंड ने राजकुमार के सामने शर्त रखी थी कि तुम अगर मुझे चाहते हो तो दतिया कलेक्टर स्वपनिल वानखेड़े से मिलकर आओ। स्वपनिल वानखेड़े भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। गर्लफ्रेंड की शर्त पूरी करने चंदौली से निकला इसके बाद राजकुमार अपनी गर्लफ्रेंड की जिद को स्वीकार कर लिया। गर्लफ्रेंड ने कहा था कि तुम उनसे मिलकर उनके साथ तस्वीर लेकर मुझे भेजोगे। इसे पूरा करने के लिए दतिया से 600 किमी दूर चंदौली से वह निकल पड़ा। चंदौली से झांसी तक राजकुमार ट्रेन से पहुंचा। इसके बाद बस पकड़कर दतिया पहुंच गया।

### दतिया में वह होटल में रुका

राजकुमार दतिया पहुंचने के बाद होटल में रुका। रविवार को कलेक्ट्रेट बंद था तो उसकी मुलाकात कलेक्टर से नहीं हो पाई। इसके बाद उसके पास रुपए भी खत्म हो गए तो उसने रिश्तेदारों से रुपए की मांग की। सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचा तो बेहोश हो गया वहीं, भीषण गर्मी में टैक्सी ड्राइवर राजकुमार कलेक्ट्रेट पहुंचा। वह कलेक्टर स्वपनिल वानखेड़े से मुलाकात की मांग की। दतिया कलेक्टर उस समय मीटिंग में थे इसकी वजह से मुलाकात का समय नहीं मिल पया। इस दौरान राजकुमार की तबीयत वहां गर्मी की वजह से बिगड़ गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। काफी चर्चित हैं कलेक्टर स्वपनिल वानखेड़े आईएएस अधिकारी स्वपनिल वानखेड़े दतिया के कलेक्टर हैं लोगों के बीच में उनकी छवि एक संवेदनशील अधिकारी के रूप में है वह ऑफिस से ज्यादा गांवों में जाकर लोगों की बातें सुनते सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं

### कलेक्टर पहुंच गए मिलने

घटना की जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर स्वपनिल वानखेड़े खुद ही उससे मिलने के लिए जिला अस्पताल पहुंच गए। तब उसकी तबीयत में सुधार थी। इस दौरान कलेक्टर ने युवक राजकुमार से बात की है। उसकी बातें सुनकर उन्हें हंसी आ गई। उन्होंने कहा कि तुम ठीक हो जाओ, उसके बाद घर पर मिलने आना।

# सीएम के लिए प्रशासन ने 44 डिग्री तापमान में ट्रैफिक रोका तो गुस्से में जनता ने बजाए हॉर्न, संभालना हुआ मुश्किल

**मध्यप्रदेश के सिंगरौली में वीआईपी मूवमेंट को लेकर जनता ने हॉर्न बजाकर अपने गुस्से का इजहार किया है। 44 डिग्री तापमान में ट्रैफिक को रोक दिया गया था।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**सिंगरौली।** मध्य प्रदेश के सिंगरौली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सीएम मोहन यादव दो दिन पहले सिंगरौली दौरे पर गए थे। उनके दौरे को लेकर प्रशासन ने ट्रैफिक रोका था। 44 डिग्री तापमान में सड़क पर खड़े लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद लोगों ने हॉर्न बजाने शुरू कर दिए। साथ ही कहने लगे कि यह वीआईपी कल्चर खत्म हो।

### वीआईपी कल्चर के खिलाफ गुस्सा

दरअसल, वीआईपी कल्चर के खिलाफ सिंगरौली के लोगों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया। मुख्यमंत्री के काफिले के लिए आम जनता को 44 डिग्री की भीषण गर्मी में घंटों सड़क पर रोक दिया गया, जिसके बाद लोगों का सब्र टूट गया। सैकड़ों वाहनों के हॉर्न एक साथ गूंज उठे। पूरा शहर मानो कह रहा था कि अब बस... बहुत हो गया वीआईपी कल्चर! सीएम के रूट पर रोकी गई थीं गाड़ियां सीएम मोहन यादव के काफिले को निकालने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही रोक दी। नौकरी, इलाज, परीक्षा और जरूरी कामों से जा रहे लोग धूप में तड़पते रहे, लेकिन वीआईपी मूवमेंट नहीं रुका। गर्मी से परेशान लोगों ने सड़क पर ही हॉर्न बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। कई लोग पुलिस और प्रशासन पर भेदभावपूर्ण रवैये का आरोप लगाते नजर आए।

### कब तक होंगे परेशान

लोगों का कहना है कि आखिर जनता कब तक नेताओं के काफिलों के लिए सड़क पर बंधक बनती रहेगी? एक तरफ सरकार जनता की सुविधा की बात करती है, दूसरी तरफ वीआईपी मूवमेंट के नाम पर आम आदमी को घंटों परेशान किया जाता है। लोगों ने साफ कहा कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन जनता को प्रताड़ित करके नहीं। नेताजी एसी में बैठकर ठंडा पी रहे हैं और इतनी पब्लिक परेशान है। हमारा वीडियो बना लो, हमें डर नहीं है। सड़क पर खड़ी महिला बिहार में वीआईपी काफिले के खिलाफ हुए हॉर्न प्रोटेस्ट के बाद अब सिंगरौली में भी उसी तरह का गुस्सा देखने को मिला है। हालांकि प्रशासन ने किसी तरह लोगों को शांत कराया है।

# महिला ने सरकारी अस्पताल के टॉयलेट में दिया बच्चे को जन्म, फिर खिड़की से नीचे फेंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**अलाप्पुझा।** केरल के अलाप्पुझा जिले के हरिपाद सरकारी अस्पताल में 19 वर्षीय युवती ने टॉयलेट में बच्चे को जन्म देने के बाद नवजात को खिड़की से बाहर फेंक दिया. बच्चे के रोने की आवाज सुनकर अस्पताल कर्मचारियों ने उसे उस जगह से सुरक्षित निकाला, जहां आवारा कुत्ते घूम रहे थे. मेडिकल टीम की तत्परता से नवजात की जान बच गई. केरल के अलाप्पुझा जिले में एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है. जहां एक 19 वर्षीय युवती ने सरकारी अस्पताल के टॉयलेट में बच्चे को जन्म देने के बाद नवजात को खिड़की से बाहर फेंक दिया. हालांकि अस्पताल कर्मचारियों की सतर्कता और समय रहते की गई कार्रवाई से नवजात की जान बच गई. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. पुलिस के अनुसार यह घटना मंगलवार तड़के हरिपाद सरकारी अस्पताल में हुई. युवती पेट दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची थी. डॉक्टरों ने बताया कि इलाज के दौरान जब उसकी शारीरिक जांच करने की कोशिश की गई तो उसने जांच कराने से इनकार कर दिया. इससे मेडिकल टीम को शक हुआ कि वह गर्भवती हो सकती है. अस्पताल सूत्रों के मुताबिक युवती को निगरानी में रखा गया था. इसी दौरान उसे कई बार अस्पताल के टॉयलेट में जाते देखा गया. कुछ समय बाद अस्पताल कर्मचारियों को टॉयलेट के पास से बच्चे के रोने की हल्की आवाज सुनाई दी. शुरुआत में कर्मचारियों को कुछ समझ नहीं आया, लेकिन शक होने पर आसपास तलाश की गई. तलाशी के दौरान नवजात अस्पताल परिसर के उस हिस्से में मिला जहां आवारा कुत्ते घूम रहे थे. कर्मचारियों ने तुरंत बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला और डॉक्टरों को सूचना दी. मेडिकल टीम ने तत्काल नवजात को प्राथमिक उपचार दिया. डॉक्टरों ने बताया कि यदि कुछ मिनट और देरी हो जाती तो बच्चे की जान को गंभीर खतरा हो सकता था. अस्पताल प्रशासन के मुताबिक नवजात को गंभीर हालत में ट्रॉमा में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है. फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. वहीं युवती को भी चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है. पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में युवती के अविवाहित होने की जानकारी सामने आई है. हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल स्टाफ की तत्परता के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई. इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है. चर्चा का विषय बना हुआ है.

# संभल का 'कातिल' दोस्तः सोहिल को स्विमिंग पूल में डुबोकर मार डाला! 2 मिनट तक पानी में दबाए रखा सिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**संभल।** उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक स्विमिंग पूल में नहाने गए 18 वर्षीय सोहिल को उसके ही गांव के एक युवक ने पानी में डुबोकर मार डाला. पीपली रहमापुर मिलक निवासी सोहिल की हत्या की यह वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में लाइव कैद हो गई. घटना का सच तब सामने आया जब पीड़ित परिवार ने सोहिल को तैरना आने की बात सोचकर सीसीटीवी फुटेज ऑनलाइन चेक की. नखासा थाना पुलिस और अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह ने इस अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूल मामले की जांच शुरू कर दी है.

### पैर में फंसा शव तो खुला खौफनाक राज

सोहिल जब स्विमिंग पूल में नहाने गया था, तभी यह वारदात हुई. उसकी मौत की जानकारी तब हुई जब पूल में नहाने कूदे एक दूसरे शख्स के पैरों में सोहिल का शव फंस गया. उसने तुरंत इसकी जानकारी स्विमिंग पूल मालिक सालिम को दी. इसके बाद शव को बाहर निकालकर परिजनों को सूचित किया गया. परिजन शव लेकर घर आ गए, लेकिन सोहिल को तैरना आता था, इसलिए मौत की वजह जानने के लिए उन्होंने जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो सबके पैरों तले जमीन खिसक गई. सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखा कि आरोपी युवक ने सोहिल को करीब 2 मिनट तक पानी के अंदर डुबोए रखा और उसे बाहर नहीं निकलने दिया. इस दौरान सोहिल खुद को बचाने के लिए पानी के भीतर बुरी तरह छटपटाता रहा, लेकिन आरोपी ने उसे नहीं छोड़ा. आरोपी वारदात के दौरान लगातार इधर-उधर देखता रहा. हैरानी की बात यह रही कि पूल में कई अन्य लोग भी नहा रहे थे, लेकिन किसी की नजर मदद के लिए उस तरफ नहीं पड़ी और सोहिल ने दम तोड़ दिया.

### गांव में हुआ था झगड़ा, मर्डर की आशंका

स्विमिंग पूल मालिक सालिम के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज देखने से यह साफ तौर पर मर्डर का मामला लग रहा है. जानकारी सामने आई है कि मृतक सोहिल का आरोपी लड़के के साथ गांव में पहले कोई झगड़ा भी हुआ था, जिसके चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया.

# बंगरा गांव में छत पर सो रहे तीन युवकों को कोबरा ने डंसा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालौन।** जिले के ग्राम बंगरा में एक दर्दनाक घटना ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। जहरीले कोबरा सांप के डंसने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर हालत में झांसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराए गए। घटना के बाद गांव में दहशत और परिवार में शोक का माहौल है।

### शादी समारोह से पहले हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, जालौन के ग्राम बंगरा निवासी ललनजू परिहार के घर 19 जून को बेटी की शादी होनी है। इसी समारोह में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के रौन क्षेत्र से उनके रिश्तेदार पुनीत (22) गांव पहुंचे थे। शनिवार रात बिजली गुल होने और भीषण गर्मी के चलते पुनीत, अंशुल (23) पुत्र कल्याण सिंह परिहार और सुमित (19) पुत्र रविंद्र उर्फ धुप्पे घर की छत पर सोने चले गए।

### देर रात कोबरा ने तीनों को बनाया शिकार

देर रात अचानक एक जहरीला कोबरा सांप छत पर पहुंच गया। सबसे पहले उसने सो रहे अंशुल को डंस लिया। अंशुल के जागते ही तीनों युवकों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन इससे पहले कि वे संभल पाते, सांप ने सुमित और पुनीत को भी डंस लिया। कुछ ही मिनटों में तीनों की हालत बिगड़ने लगी।

### साहस दिखाकर कोबरा को मारा

घटना के तुरंत बाद अंशुल ने हिम्मत दिखाते हुए कोबरा को मार डाला। हालांकि तब तक जहर शरीर में फैल चुका था। परिजन घबराहट में पहले तीनों को झाड़-फूंक के लिए ग्राम डीहा ले गए, लेकिन वहां मना कर दिए जाने के बाद उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

## 1 रुपये के लिए जूतम-पैजार! 1001 का भरवाया डीजल, दिए 1000... गाजियाबाद के पेट्रोल पंप पर छिड़ गया संग्राम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुरादनगर।** गाजियाबाद के मुरादनगर थाना क्षेत्र से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां भिक्कनपुर स्थित नायारा पेट्रोल पंप पर महज एक रुपये के बकाया भुगतान को लेकर हिंसक मारपीट की वारदात हुई. मथुरापुर गांव के प्रधान झब्बर सिंह, उसके भाई अनुज और भांजे ने मिलकर पेट्रोल पंप सेल्समैन रिंकू को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया. पीड़ित सेल्समैन द्वारा एक रुपया मांगने पर आरोपी भड़क गए और इस दबंगई को अंजाम दिया. पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 24 मई 2026 को मुकदमा दर्ज कर वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. घटना 20 मई की शाम की है.

### सिर्फ 1 के लिए दिखाई खौफनाक दबंगई

बुलंदशहर के पटपुरा निवासी पीड़ित सेल्समैन रिंकू पिछले दो साल से इस पाइप लाइन फिलिंग स्टेशन पर काम कर रहा है. घटना के वक्त एक युवक वहां आया और उसने 1001 रुपये का डीजल भरवाया. भुगतान के समय उसने सिर्फ 1000 रुपये दिए. जब रिंकू ने उससे बाकी का एक रुपया मांगा, तो वह गाली-गलौज करने लगा. उसने खुद को ग्राम प्रधान झब्बर सिंह का भांजा बताया और जान से मारने की धमकी देकर चला गया. धमकी देने के कुछ ही देर बाद आरोपी युवक अपने साथ मथुरापुर के ग्राम प्रधान झब्बर सिंह, उसके भाई अनुज और कुछ अन्य लोगों को लेकर पेट्रोल पंप पर धमक गया. इन सबने मिलकर सेल्समैन रिंकू को घेर लिया और उसके साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी.



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



## सीसीटीवी और डिजिटल ट्रांजैक्शन से खुली बदमाशों की कुंडली, दिल्ली में फायरिंग कर भाग रहे लुटेरे गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस को पहाड़गंज के व्यस्त बाजार क्षेत्र में स्थित एक सरकारी शराब की दुकान पर लूटपाट की कोशिश और कर्मचारियों पर हमला करने वाले आरोपियों को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है। आपको बता दें कि आरोपियों ने लूटपाट की कोशिश के दौरान कर्मचारियों पर फायरिंग भी कि, जिसमें दो कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार देर रात की है। हथियारों से लैस दो बदमाश दुकान में लूट के इरादे से घुसे थे। आरोपियों के पास पिस्तौल और चाकू था। उन्होंने कर्मचारियों को डराकर नकदी और अन्य सामान लूटने की कोशिश की। इसी दौरान एक आरोपी ने चार गोलियां चलाईं। इनमें से तीन गोलियां निशाने से चूक गईं, जबकि एक गोली दुकान के एक कर्मचारी को जा लगी। वहीं दूसरे आरोपी ने एक अन्य कर्मचारी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया।

### कर्मचारियों के विरोध करने पर भाग गए आरोपी

हमलावरों ने तीसरे कर्मचारी का बटुआ भी लूट लिया, जिसमें करीब 1,500 रुपए नकद, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। हालांकि, दुकान के कर्मचारियों ने बदमाशों का डटकर विरोध किया, जिससे आरोपी घबरा गए और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घायल कर्मचारियों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कैसे हुई आरोपियों की पहचान पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमों का गठन किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दोनों संदिग्धों की गतिविधियां कैद हो गईं।

## 'दिल्ली जिमखाना क्लब को जबरदस्ती नहीं खाली कराया जाएगा', HC में बोली सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**दिल्ली।** जिमखाना क्लब मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है. सरकार ने मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वह प्रतिष्ठित दिल्ली जिमखाना क्लब की जगह पर जबरदस्ती कब्जा नहीं करेगी. अगर क्लब 5 जून तक जमीन खाली नहीं करता है, तो वह कानून के तहत सही प्रक्रिया का पालन करेगी. सरकार ने यह बात क्लब की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान कही, जिसमें क्लब के सदस्यों की तरफ से सरकार के आदेश को चुनौती दी थी. सरकार ने लुटियंस दिल्ली में 2, सफदरजंग रोड पर स्थित 27.3 एकड़ की संपत्ति को रक्षा और सुरक्षा से जुड़े कामों के लिए खाली करने का निर्देश दिया गया था. केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि 5 जून की तारीख क्लब को सिर्फ इसलिए दी गई थी, जिससे वे अपनी मर्जी से जगह खाली कर सकें. मेहता ने कहा, 'हम कानून के मुताबिक ही कब्जा लेंगे. 5 जून वह तारीख है, जब हमने उन्हें अपनी मर्जी से जगह खाली करने का विकल्प दिया है.' तुषार मेहता ने कहा, 'मान लीजिए अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो ऐसा नहीं होगा कि पुलिस तुरंत अंदर घुस जाएगी और जबरदस्ती कब्जा कर लेगी. सार्वजनिक जगहों से बेदखली के संबंध में कानून के तहत जो प्रक्रिया तय है, उसी का पालन किया जाएगा. इसके बाद कोर्ट ने सवाल किया कि क्या वह केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड पर ले सकती है, जिस पर मेहता ने 'हां' में जवाब दिया.

### जमीन छिन जाने के बाद कहां चलेगा क्लब?

सुनवाई के दौरान, अदालत ने याचिकाकर्ताओं (क्लब के सदस्य) से यह भी कहा, 'भले ही जमीन ले ली जाए, आपकी सदस्यता बनी रहेगी. आप पट्टेदार नहीं हैं. मेहता ने आगे कहा कि दिल्ली जिमखाना को उसके परिसर के लिए कोई वैकल्पिक जगह दी जाएगी. सरकार ने बेदखली का नोटिस क्यों दिया.

## पूनम कॉम्प्लेक्स में बकरीद की कुर्बानी के लिए शेड को लेकर हुआ था विवाद



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** बकरीद से पहले मुंबई के मीरा रोड इलाके में तनाव फैल गया। यह तनाव एक रिहायशी कॉम्प्लेक्स के अंदर बकरियां रखने और उनकी कुर्बानी देने के प्रस्ताव को लेकर हुए विवाद के बाद शुरू हुआ, जो बाद में विरोध-प्रदर्शनों में बदल गया। इस दौरान हिंसा की खबरें भी आईं और विश्व हिंदू परिषद के सदस्य भी इस विवाद में शामिल हो गए। यह विवाद रविवार को मीरा रोड के पास पूनम क्लस्टर 1 स्थित सृष्टि कॉम्प्लेक्स में शुरू हुआ था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, निवासियों और हिंदू संगठनों ने हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के अंदर बलि के बकरों के लिए एक शेड बनाने पर आपत्ति जताई। दिन भर चली आपत्तियों और विरोध प्रदर्शनों के बाद, कथित तौर पर उस अस्थायी ढांचे को हटा दिया गया। हालांकि, यह मुद्दा जल्द ही एक बड़े विवाद में बदल गया, जब मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन के लिए जमावड़ा किया और काशीमीरा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई।

### वीएचपी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप

पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तनाव फिर भड़क उठा, जिसके परिणामस्वरूप घटनास्थल पर हाथापाई हो गई। बाद में, VHP कार्यकर्ता परिसर में बकरों की कथित वापसी का विरोध करने के लिए कॉम्प्लेक्स पहुंचे। इस टकराव के दौरान, VHP के जिला मंत्री नागनाथ कांबले पर कथित तौर पर एक धारदार हथियार से हमला किया गया। पुलिस ने अभी तक घटनाओं के क्रम या लगी चोटों की प्रकृति की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। किरीट सोमैया पहुंचे बॉम्बे हाई कोर्ट यह विवाद महाराष्ट्र में आवासीय सोसायटियों और सार्वजनिक स्थानों के अंदर बकरीद पर पशु बलि को लेकर चल रही एक व्यापक राजनीतिक और कानूनी बहस के बीच सामने आया है। BJP नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने कहा कि कुछ कट्टरपंथी मुस्लिम नेता मुंबई में खुले तौर पर बलि देने की अनुमति दिलाने का प्रयास कर रहे हैं.

# मुंबई में बिजली की रिकॉर्ड डिमांड, 400 MW का आंकड़ा बार-बार हो रहा पार, कई इलाकों में गुल हो रही सप्लाई

**मुंबई में गर्मी बढ़ती ही जा रही है। इसके साथ बिजली की मांग लगातार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रही है।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** मुंबई में बढ़ती गर्मी के साथ बिजली की मांग लगातार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रही है। मई महीने में दूसरी बार शहर की बिजली मांग 4400 मेगावाट के पार चली गई है। सोमवार दोपहर मुंबई की बिजली डिमांड 4487 मेगावाट दर्ज की गई। इससे पहले 11 मई को यह मांग 4540 मेगावाट तक पहुंची थी, जो इस साल का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा माना जा रहा है।



### मुंबई में बिजली की डिमांड बढ़ी

मिली जानकारी के अनुसार, पिछले एक सप्ताह से मुंबई में बिजली की मांग लगातार 3800 से 4300 मेगावाट के बीच बनी हुई है। तापमान बढ़ने के कारण एयर कंडीशनर, कूलर और अन्य बिजली उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिससे बिजली पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच शहर के कई इलाकों में बार-बार बिजली गुल होने की समस्या भी सामने आई है। 22 मई की रात दादर, वडाला, पारसी कॉलोनी, गिरगांव और गामदेवी समेत सेंट्रल और साउथ मुंबई के कई हिस्सों में अचानक बिजली चली गई। अधिकारी के मुताबिक दादर के किंग्स वे रिसीविंग स्टेशन में तकनीकी खराबी आने से बिजली सप्लाई प्रभावित हुई। रात करीब 9.25 बजे ट्रांसफॉर्मर नंबर 2 और 3 में तकनीकी समस्या आने के बाद सप्लाई बाधित हो गई। वहीं गिरगांव और गामदेवी इलाके में हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड के ट्रांसफॉर्मर में आग लगने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

### बिजली कटौती से लोग परेशान

बेस्ट प्रशासन ने बयान जारी कर कहा कि मरम्मत का काम तुरंत शुरू कर दिया गया था और सप्लाई बहाल करने में करीब चार घंटे लगे। इसके अलावा 23 मई को गिरगांव और 24 मई को जिजामाता नगर व काला चौकी इलाके में भी बिजली कटौती की शिकायतें सामने आईं। शनिवार को 3 घंटे और रविवार को 5 घंटे अंधेरी और कांदिवली बिजली नहीं रही। लगातार हो रही बिजली कटौती से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

# डीजल के बढ़ते दामों ने लॉजिस्टिक्स सेक्टर की बढ़ाई चिंता, धीरे-धीरे जहर देने का AIMTC ने लगाया आरोप

**सलाहकार और पूर्व अध्यक्ष बल मलकीत सिंह ने कहा कि लगातार हो रही छोटी-छोटी बढ़ोतरी परिवहन उद्योग के लिए धीमे जहर की तरह काम कर रही है।**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** देश में लगातार बढ़ रही डीजल की कीमतों ने परिवहन और लॉजिस्टिक्स उद्योग की चिंता बढ़ा दी है। पिछले 10 दिनों में चौथी बार ईंधन के दाम बढ़े हैं। सोमवार को डीजल की कीमत में करीब 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, जिससे 15 मई के बाद कुल बढ़ोतरी लगभग 8 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई है। ट्रक संचालन में डीजल की हिस्सेदारी करीब 55 प्रतिशत- बल मलकीत सिंह ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के सलाहकार और पूर्व अध्यक्ष बल मलकीत सिंह ने कहा कि लगातार हो रही छोटी-छोटी बढ़ोतरी परिवहन उद्योग के लिए धीमे जहर की तरह काम कर रही है। उन्होंने बताया कि ट्रक संचालन लागत में डीजल की हिस्सेदारी करीब 55 प्रतिशत होती है। वहीं टायर, टोल, बीमा, मेंटेनेंस और फाइनेंस लागत भी



लगातार बढ़ रही है, जिससे ट्रांसपोर्ट कारोबार आर्थिक संकट में पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि इसका असर अब केवल ट्रांसपोर्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सप्लाई चेन, मैन्युफैक्चरिंग, आयात-निर्यात और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। कई इलाकों में वाहन खड़े होने लगे हैं और ट्रांसपोर्टरों को प्रतिदिन हजारों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। कुछ क्षेत्रों में प्रति वाहन प्रतिदिन लगभग 3500 रुपये तक का नुकसान होने की स्थिति सामने आ रही है। इसका श्रृंखलाबद्ध प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है – माल परिवहन प्रभावित हो रहा है, सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ रहा है, डिलीवरी में देरी हो रही है तथा मैन्युफैक्चरिंग, आयात-निर्यात और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। परिवहन केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है AIMTC ने सरकार से वैज्ञानिक फ्रेट मॉडल लागू करने, ECLGS सहायता तुरंत शुरू करने, छोटे ट्रांसपोर्टरों को राहत देने और ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। परिवहन केवल एक व्यवसाय नहीं है, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आज ट्रक चल रहा है, लेकिन ट्रांसपोर्ट डूब रहा है। बहुत देर होने से पहले सुधारात्मक कदम उठाने आवश्यक है.

# बेटे की शादी में गांव वालों को दिया गिफ्ट, एक साथ कराया 3500 लोगों का इंश्योरेंस

**पेठकर परिवार ने गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराया. परिवार का उद्देश्य ग्रामीणों को भविष्य की अप्रिय घटनाओं में आर्थिक सुरक्षा देना है.**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नांदेड़ ।** महाराष्ट्र नांदेड़ जिले के कंधार तालुका स्थित बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार और मानवता की मिसाल बन गई. आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये सजावट, आतिशबाजी और भव्य आयोजनों पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन बहादरपुरा के पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को समाज सेवा से जोड़ते हुए एक अनोखी पहल की.

### पेठकर परिवार ने पूरे गांव का कराया बीमा

सिद्धेश्वर पेठकर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर परिवार ने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराने का निर्णय लिया. इस पहल का उद्देश्य गांव के लोगों को भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक



सुरक्षा प्रदान करना है. परिवार का मानना है कि शादी केवल व्यक्तिगत खुशी का अवसर नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी माध्यम होना चाहिए. गांव में जैसे ही इस पहल की जानकारी सामने आई, लोगों में खुशी और गर्व का माहौल बन गया. ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा सामाजिक संदेश देखा है. गांव के बुजुर्गों का कहना है कि यह पहल आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा बनेगी. पेठकर परिवार ने बताया कि आज के समय में अचानक होने वाली दुर्घटनाएं कई परिवारों को आर्थिक संकट में डाल देती हैं. ऐसे में यदि पहले से बीमा जैसी सुविधा उपलब्ध हो तो कठिन समय में लोगों को सहारा मिल सकता है. इसी सोच के साथ विवाह समारोह को सामाजिक सुरक्षा अभियान से जोड़ने का निर्णय लिया गया.

### चर्चा में बनी ये पहल

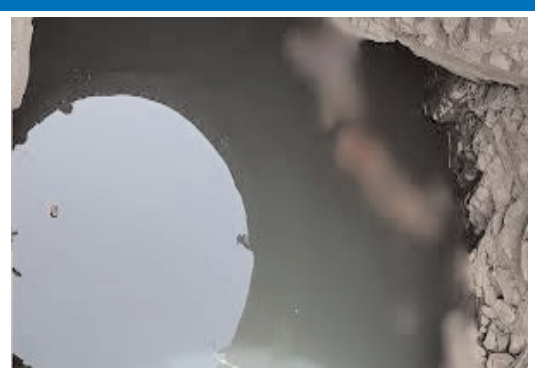
परिवार के इस कदम की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है. सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की है. लोगों का कहना है कि अगर समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तो कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है. बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं रही, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है. 'वधू का आगमन हुआ और गांव सुरक्षित हो गया '. यह संदेश अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. पेठकर परिवार की इस अनोखी पहल ने यह साबित कर दिया कि खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने से बदलाव की नई शुरुआत की जा सकती है.

# 'कुएं में कई लाशें दिख रही हैं... ',गांव में मचा हड़कंप, सामने आई घरेलू क्लेश और 5 मौतों की कहानी

**बुलढाणा जिले से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक कुएं से एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है. पुलिस पूरे घटनाक्रम की हर पहलू से जांच कर रही है**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बुलढाणा।** महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक कुएं से पांच लोगों के शव मिलने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. मामला जिले के जलगांव जामोद थाना क्षेत्र के भाले अंजन गांव का बताया जा रहा है. पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सूचना दी थी कि गांव के पास स्थित एक कुएं में कई लाशें दिखाई दे रही हैं. सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. शुरुआती जांच में सामने आया कि मृतकों में एक व्यक्ति और उसके चार बच्चे शामिल हैं. जलगांव जामोद पुलिस स्टेशन के अधिकारी नितिन पाटिल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है. ग्रामीणों से पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि मृतक विजय मूसा किराडिया और उसकी पत्नी के



बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था. कुछ समय पहले वह अपनी पत्नी को मायके छोड़कर आया था और बच्चों के साथ अलग रह रहा था. लाशों को देख अंदाज लगाया गया है की रविवार को पिता ने पहले अपने 7, 5, 4 और 2 वर्षीय मासूमों को कुएं में फेंका और बाद मे कुएं से पानी निकालने के लिए लगाए गए लकड़ी के टुकड़े पर बंधी रस्सी से फांसी लगाकर खुद ने भी आत्महत्या कर ली, लेकिन रस्सी मृतक का वजन झेल नहीं पाई और उसकी गांठ खुल जाने के कारण वह भी कुएं मे गिर गया. पुलिस ने सभी लाशों को ग्रामीण अस्पताल भेज दिया था.

पुलिस का कहना है कि घटनास्थल और परिस्थितियों को देखते हुए मामले के कई पहलुओं की जांच की जा रही है. सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए ग्रामीण अस्पताल भेजा गया है. पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है. फिलहाल पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना के पीछे की वास्तविक वजह क्या थी. इस घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है और स्थानीय लोगों में शोक का माहौल है.

## DU में बकरीद की छुट्टी पर परीक्षा करवाने को लेकर छिड़ा घमासान, दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** बकरीद (28 मई) की छुट्टी पर परीक्षा आयोजित करवाने को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के कानून के एक छात्र ने यूनिवर्सिटी के फैसले को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। केंद्र सरकार ने इसी तारीख को ईद-उल-जुहा (बकरीद) की छुट्टी कोआधिकारिक तौर पर आगे बढ़ाया था। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह अनुच्छेद 14, 21, 25 और 29 के तहत मुस्लिम छात्रों के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

### याचिका में क्या लिखा गया है

यह रिट याचिका याचिकाकर्ता द्वारा दायर की जा रही है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय में एकीकृत विधि पाठ्यक्रम (छठे सेमेस्टर) का एक वास्तविक छात्र है। याचिकाकर्ता, प्रतिवादी विश्वविद्यालय के दिनांक 25.05.2026 के मनमाने, भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक कार्यालय ज्ञापन से व्यथित है, जिसमें भारत सरकार द्वारा ईद-उल-जुहा (बकरीद) की छुट्टी को आधिकारिक रूप से 27.05.2026 से 28.05.2026 तक स्थानांतरित किए जाने के बावजूद, 28.05.2026 को निर्धारित परीक्षा जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

### बकरीद की सरकारी छुट्टी कब है

बकरीद (ईद-उल-जुहा) पर केंद्र सरकार द्वारा सरकारी छुट्टी गुरुवार, 28 मई 2026 को घोषित की गई है। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने पहले यह अवकाश 27 मई को घोषित किया था, जिसे संशोधित करके 28 मई कर दिया गया है। इस दिन सभी केंद्रीय कार्यालय, राज्य प्रशासनिक कार्यालय और बैंक बंद रहेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय में किस-किस विषय की पढ़ाई होती है दिल्ली विश्वविद्यालय में साइंस, आर्ट, लॉ, कॉमर्स, चिकित्सा और प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अंडरग्रेजुएट पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है।

## जानलेवा धूप में ष्ट हेलमेट बन रहा है सहारा, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को राहत देने की कोशिश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** तपती और चिलचिलाती गर्मी में धूप में करीब स घंटे तक ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक कर्मियों की राहत देने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने एसी हेलमेट और पोर्टेबल पंखा दिया है। जिससे वह धूप का सामना कर सकें और अपने को सुरक्षित रख सकें। मदद के लिए रिफ्रेशमेंट वैन भी चलाई जा रही है। ये कोशिशें अभी ट्रायल के तौर पर नई दिल्ली रेंज में ही चल रही हैं। अगर यह सफल रहता है तो आगे और संख्या में एसी हेलमेट मंगाए जाएंगे। पुलिस मुख्यालय एडिशनल कमिश्नर ट्रैफिक विजयंता गोयल आर्या ने बताया कि नई दिल्ली रेंज में ट्रैफिक मूवमेंट काफी रहता है। इसलिए अभी नई दिल्ली इलाके में इसे ट्रायल के तौर पर शुरु किया गया है। ट्रायल के दौरान ट्रैफिक स्टाफ से बातचीत की जा रही है। अगर रिजल्ट अच्छा रहा तो उसे आगे बढ़ाया जाएगा। हेलमेट के अंदरूनी हिस्से में छोटे कूलिंग फैन या थर्मोइलेक्ट्रिक तकनीक का इस्तेमाल होता है।

### रिफ्रेशमेंट वैन भी चलाई जा रही है

नई दिल्ली रेंज के ट्रैफिक डीसीपी शोभित डी सक्सेना ने बताया कि रिफ्रेशमेंट वैन में 4 स्टाफ तैनात रहते है। वैन में ठंडे पानी के अलावा ओआरएस और नींबू पानी भी रहता है। यह वैन नई दिल्ली रेंज में चक्कर लगाती रहती है। खासकर तीन मूर्ति, संसद मार्ग और कर्तव्य पथ पर। हालांकि कॉल मिलते ही अलग-अलग जगहों पर जाकर ट्रैफिक कर्मियों राहत दी जाती है।

### ट्रैफिक पुलिस के सीनियर अधिकारी का आया बयान

ट्रैफिक पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि एसी हेलमेट सिर को ठंडा रखता है, जिससे लू और डिहाइड्रेशन से बचाव होता है। हेलमेट के अंदरूनी हिस्से में छोटे कूलिंग फैन या थर्मोइलेक्ट्रिक तकनीक का इस्तेमाल होता है, जो बाहर की गर्म हवा को ठंडा करके सिर तक पहुंचाते हैं। हहेलमेट में खास वेंट दिए जाते हैं

## दिल्ली में बदलेगा मौसम का मिजाज, 60 की रफ्तार से चलेगी हवा; IMD का अपडेट जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** वालों के लिए मौसम विभाग ने अच्छी खुशखबरी दी है जिसके मुताबिक दिल्ली में एक बार फिर से भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इस दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। वहीं, दिल्ली में मानसून को लेकर नई जानकारी सामने आई है। तो आइए जानते हैं कि दिल्ली में अगले 3 दिनों में मौसम का हाल कैसा रहेगा। दिल्ली का मौसम दिल्ली का मौसम 26 मई 2026: दिल्ली में एक बार फिर से बारिश -आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 29 मई को एक बार फिर से जोरदार बारिश होने की चेतावनी है। साथ ही 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की प्रबल संभावना है। आकाशीय बिजली और बादल गरजने का भी अलर्ट जारी किया गया है। इस बारिश के होने से तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की कमी देखी जा सकती है। हालांकि, अभी 26 मई और 27 मई को खतरनाक गर्मी पड़ने वाली है। दोपहर में लू की खतरनाक हवा भी चलेगी। इससे पहले सोमवार को 14 साल बाद सबसे गर्म रात दर्ज की गई। रात में भी भीषण गर्मी और लू जैसे हालात बने रहे। अभी 2 दिन और झेलनी होगी 'भष्ट्ठी जैसी गर्मी' मौसम विभाग के मुताबिक अभी 2 दिन और भीषण गर्मी का प्रकोप बना रहेगा। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक रहा। पालम में अधिकतम तापमन 44 डिग्री, लोदी रोड में 43.2 डिग्री, रिज में 44.3 डिग्री, आया नगर में 44 डिग्री, पूसा में 41.1 डिग्री, नजफगढ़ में 41 डिग्री, मंगेशपुर में 43.5 डिग्री, मयूर विहार में 41.1 डिग्री, गुरुग्राम में 41.7 डिग्री और गाजियाबाद में 42 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में मानसून कब आएगा दिल्ली में मानसून 25 से 30 जून के बीच दस्तक देने की संभावना है। हर साल की तरह, इस बार भी जून के आखिरी सप्ताह तक मानसूनी बारिश शुरू होने की संभावना है। मानसून की पहली बारिश दिल्ली में इस बार खतरनाक होने वाली है। 80 से 90 की रफ्तार से आंधी चलेगी।



## ट्रेलर में घुसी इनोवा, कैंची धाम जा रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत, 3 गंभीर

### -बाराबंकी में सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। इस भीषण टक्कर में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के भिखरा गांव के पास देर रात करीब दो बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग भीतर ही बुरी तरह फंस गए। आधी रात को हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर दौड़े राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी सात लोग उत्तराखंड स्थित प्रसिद्ध बाबा नीम करौली के कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार हैदरगढ़ क्षेत्र में पहुंची, सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद कार को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की खबर जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली, उनके घरों में कोहराम मच गया। इस सड़क हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की पहचान राहुल कुमार (पुत्र संजय कुमार, निवासी मुगलसराय, जनपद चंदौली), राहुल सिंह (पुत्र अजय प्रताप, निवासी गैबीपुर, जनपद गाजीपुर), सत्यम सिंह (पुत्र स्वर्गीय तेज प्रताप सिंह, निवासी रामपुर रसड़ा, जनपद बलिया) और सूरज मिश्रा (निवासी निकसपुर, थाना सुल्तानपुर) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों में पंकज (पुत्र रमेश सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर), प्रशांत (पुत्र अवध बिहारी, निवासी बेला, जनपद बलिया) और चंदन सिंह (पुत्र दशरथ सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर) शामिल हैं, जिनका लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और रात के समय चालक को झपकी आने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, फिलहाल पुलिस मामले की सघन जांच में जुटी है।

## बेटे की शादी में 3500 ग्रामीणों को दिया दुर्घटना बीमा का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल बनी है। जहां आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये भव्य सजावट और आतिशबाजी पर खर्च होते हैं, वहीं पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को यादगार बनाकर समाज सेवा से जोड़ दिया। उन्होंने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर एक ऐसी पहल की है, जिसकी हर ओर चर्चा हो रही है। पेठकर परिवार का मानना है कि विवाह केवल व्यक्तिगत खुशी का मौका नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ, सिद्धेश्वर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर, परिवार ने गांव के लोगों को भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इस कदम का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक संकट से बचाना है। जैसे ही पहल की जानकारी गांव में सामने आई, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने कदम की जमकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा प्रेरणादायक सामाजिक संदेश देखा है, और यह आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। पेठकर परिवार के इस अनूठे कार्य की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी पहल की सराहना कर कहा है कि यदि समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तब कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है, जिसने खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने की एक नई शुरुआत की है।

## आज दिल्ली आ रहे सीएम विजय, पीएम मोदी से होनी हैं मुलाकात

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को पदभार संभालने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय बुधवार सुबह चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाले है। राज्य के गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विजय की बातचीत के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जो दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री विजय के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से भी मिलने की संभावना है। अपनी दिल्ली यात्रा के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, विजय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का उद्घाटन भी करने वाले है। यह दौरा विजय के तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ लेने के कुछ ही सप्ताह बाद हो रहा है। उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके), ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की थी, जिसने राज्य की राजनीति में दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के वर्चस्व को समाप्त कर दिया।

## राम मंदिर में 'पास' की अनिवार्यता खत्म, पूरे परिसर का दर्शन अब होगा संभव

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के भीतर स्थित सभी प्रमुख और पूरक मंदिरों में दर्शन करने के लिए 'पास' की अनिवार्य बाध्यता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार न केवल रामलला दर्शन कर सकेंगे बल्कि राम दरबार परकोटे के छह देवी देवताओं के मंदिरों और सप्त ऋषियों-मुनियों के मंदिरों में भी बिना किसी रोक-टोक के सुगमता से दर्शन-पूजन कर पाएंगे। हालांकि ट्रस्ट ने साफ किया है कि यह खुली छूट और व्यवस्था अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रहने वाली है। जैसे ही राम मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दैनिक संख्या एक लाख से अधिक होने लगेगी, वैसे ही ट्रस्ट अपनी पुरानी पास व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दोबारा कड़ाई से लागू कर देगा।

# यूसीसी पर ओवैसी का पलटवार: मुसलमानों पर थोपा जा रहा हिंदू कानून

### – नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

**हैदराबाद (एजेंसी)।** असम विधानसभा में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक पेश होने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूसीसी कानून को मुसलमानों पर बैकडोर से हिंदू कानून थोपने का प्रयास बताया। असम, गुजरात, गोवा और उत्तराखंड के बाद चौथा भाजपा शासित राज्य बन गया है, जहां समान नागरिक संहिता अपनाने की प्रक्रिया शुरू की है।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने आरोप लगाया कि यह विधेयक मुस्लिम पर्सनल कानूनों पर सीधा हमला और उनके संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण करता है। उन्होंने लिखा कि उत्तराधिकार, विरासत और तलाक जैसे महत्वपूर्ण मामलों में हिंदू सिद्धांतों को जबरन थोपा जा रहा है, जिसका उद्देश्य सिर्फ हिंदू संस्कृति को संरक्षित करना है, जबकि मुसलमानों को इन कथित समान कानूनों को मानने के लिए मजबूर किया।

हैदराबाद के सांसद ने असम के यूसीसी को असमान बताकर इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से पूरी तरह बाहर किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि जब



संविधान का अनुच्छेद 29 सभी समुदायों को अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार देता है, तब केवल आदिवासियों की स्वायत्तता ही क्यों बचाया जा रहा है? ओवैसी के अनुसार, यह ऐसा कानून थोपने की कोशिश है जिसकी किसी को जरूरत नहीं, और संविधान सभा ने भी यूसीसी की अनिवार्यता को जरूरी नहीं समझा था। उन्होंने इस्लाम में विरासत के सिद्धांतों (कोई वारिस वंचित नहीं हो सकता, बेटियों को उचित हिस्सा मिलना) का जिक्र कर कहा कि यह यूसीसी बेटियों को वसीयत के जरिए उनके वाजिब हक से वंचित करने की इजाजत देता है, और इसका लैंगिक न्याय से कोई संबंध नहीं है।

असम सरकार के विधेयक के कानून बनने पर, बहुविवाह और दो विवाह सभी धर्मों के लिए गैर-कानूनी हो जाएंगे। इसमें महिलाओं को विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों में समान अधिकार और कानूनी सुरक्षा मिलेगी। यह राज्य में विभिन्न धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों की जगह लेगा, हालांकि अनुसूचित जनजातियों को इससे छूट दी गई है। विधेयक लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 21 और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित करता है। सभी शादियों और तलाक का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण अनिवार्य होगा।

इसके पहले असम विधानसभा में महत्वपूर्ण बहस के बीच, मुख्यमंत्री सरमा ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का जोरदार बचाव किया। उन्होंने यूसीसी को अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा और न्याय देने वाला प्रगतिशील कदम बताया, विपक्ष पर मुद्दे पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है, और यह विधेयक धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अधिकारों को मजबूत करेगा। इस विधेयक को सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश किया था और इस पर 27 मई को चर्चा तथा पारित होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला, यह घोषणा करते हुए कि असम 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 17,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण भी प्रदान किया गया है।

## इबोला वायरस को लेकर भारत अलर्ट, अफ्रीकी देशों की यात्रा से बचने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में एक बार फिर इबोला वायरस का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। अफ्रीका के कई देशों में तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुए भारत सरकार ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह जारी की है। इन देशों में इबोला संक्रमण के सैकड़ों मामले सामने आने और बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति को गंभीर बताया गया है। जानकारी के अनुसार कांगो में इबोला का प्रकोप सबसे ज्यादा बढ़ा है। वहां बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। कांगो सरकार के अनुसार देश के पूर्वी हिस्से में संदिग्ध मामलों की संख्या 900 से अधिक पहुंच चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में आवाजाही अधिक होने के कारण युगांडा में भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। वहीं दक्षिण सूडान में कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते हालात और गंभीर माने जा रहे हैं। इबोला वायरस को अत्यधिक संक्रामक माना जाता है और यह संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक द्रवों के संपर्क से फैलता है। गंभीर स्थिति में यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की निगरानी भी सख्त कर दी है। कांगो, युगांडा, दक्षिण सूडान और उनके पड़ोसी देशों से आने वाले यात्रियों की प्रमुख हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिए हैं कि यदि किसी यात्री में तेज बुखार, उल्टी, दस्त, बदन दर्द या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत आइसोलेशन में रखा जाए। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों के बड़े सरकारी अस्पतालों को भी विशेष आइसोलेशन वार्ड तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में अफ्रीका से लौटे भारतीय नागरिकों से अपील की है कि यदि वे अस्वस्थ महसूस करें तो तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को अपनी यात्रा संबंधी जानकारी दें। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते सावधानी बरतने से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है।

## अवैध बांग्लादेशियों को सीएम शुभेंदु की कड़ी चेतावनी: जल्दी भागो बंगाल से



### -बोले- कोई हमारे दामाद नहीं, जो उन्हें बिठाकर खिलाएं

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को कड़ी चेतावनी देकर तुरंत देश छोड़कर जाने को कह दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना कार्रवाई की जाएगी। सीएम अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठियों को जेल में रखकर रोटी नहीं खिलाएगी और न ही घुसपैठियों पर अपना पैसा बर्बाद करेगी। उन्होंने कहा, वह हमारे दामाद नहीं हैं, उन्हें बंगाल से भगाया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बताया कि बांग्लादेश के अधिकारी भी अपने लोगों को वापस लेने पर सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर बीएसएफ को सौंपेगी, जो उनकी वापसी में मदद करेगा।

शुभेंदु सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। इससे पहले, राज्य सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, जिसमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या शामिल हैं, को उनके देश वापस भेजने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश जारी किए थे। इस संबंध में पश्चिम बंगाल के सभी जिलाधिकारियों को लिखित निर्देश और गाइडलाइंस भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है। सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अपनी नीतियों को सख्ती से लागू करने का संकल्प लिया है।

# अखिलेश का योगी सरकार पर बड़ा हमला: फर्जी मुठभेड़ों से खड़ा किया आपराधिक तंत्र

**लखनऊ (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सरकार पर फर्जी मुठभेड़ों के मकसद से आपराधिक तंत्र स्थापित करने और पुलिसकर्मियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया।

लखनऊ में एक प्रेसवार्ता कर यादव ने दावा किया कि योगी सरकार पहले पुलिसकर्मियों को मुठभेड़ों में शामिल करती है और बाद में उन्हें छोड़ देती है। उन्होंने गोरखपुर फर्जी मुठभेड़ मामले का उदाहरण देकर कहा कि कई पुलिसकर्मी इस कारण जेल में हैं, जबकि योगी सरकार ने इससे पल्ला झाड़ लिया है। पूर्व सीएम यादव ने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए पूरा एक आपराधिक तंत्र खड़ा किया गया है, जहां कुछ वकील ऐसी मनगढ़ंत कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। उन्होंने आगाह किया कि फर्जी मुठभेड़ों में फँसने पर योगी सरकार पुलिसकर्मियों से मुँह मोड़ लेती है, और भविष्य में उनके अपने परिवार वाले भी उन्हें हत्यारा मनाते है। अखिलेश ने प्रथा को अलोकतांत्रिक बताकर इसकी कड़ी निंदा कर कहा कि फर्जी मुठभेड़ों में शामिल पुलिस अधिकारियों को आजीवन गंभीर परिणाम भुगतान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार इसके जरिए मनोवैज्ञानिक दबाव बना रही है और इसतरह के कृत्यों में शामिल पुलिसकर्मी हर दिन धीमी मौत मरते हैं। पूर्व सीएम यादव ने दावा किया कि कई अधिकारियों ने मुठभेड़ों के डर का फायदा उठाकर महिलाओं के खिलाफ अपराध किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि फर्जी मुठभेड़ों के डर से राज्य में निवेश नहीं आता, और भाजपा सरकार को भी अपने ही लोगों का नुकसान होता है। यादव ने विशेष रूप से जाति आधारित फर्जी मुठभेड़ों का उल्लेख किया। सपा प्रमुख ने बताया कि एक मुठभेड़ का अर्थ आम तौर पर झड़प होता है, जिसमें हिंसक या आपराधिक गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए एक मानसिक सॉफ्टवेयर सेट किया गया है,



जो अपडेट नहीं होता, जिससे लोगों में हिंसा भड़क रही है और हत्या को हिंसा के रूप में पेश किया जा रहा है। यादव ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ें गलत हैं, लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ हैं, और सरकार अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। यह प्रवृत्ति कई जगहों पर स्पष्ट रूप से देखी जा रही है।

## राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर, पीएम मोदी और अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यहां अपर सिविल जज की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को गांधी के खिलाफ यह परिवाद दायर किया। खान ने परिवाद में कहा है कि राहुल गांधी ने गत 20 मई को अपने रायबरेली दौरे के दौरान डीह के लोधवारी गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जिससे उन्हें आघात लगा है। उन्होंने बताया कि अदालत से अनुरोध किया गया है कि न्याय हित में प्रार्थी व उसके गवाहों के साक्ष्य दर्ज कर राहुल गांधी को जिन धाराओं में दोषी पाया जाए उनमें तलब कर दंडित किया जाए। मालूम हो कि राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के साथ-साथ अमेठी के दो दिवसीय दौरे के दौरान अपने भाषणों में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए उन्हें 'गद्दार' कहा था।



# मंत्री के बेटे पर पॉक्सो का आरोप: आरएसएस ने भाजपा से किनारा किया

**हैदराबाद (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे साई भागीरथ को हैदराबाद में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह मामला 31 दिसंबर, 2025 की रात नए साल की पार्टी से जुड़ा है, जहां भागीरथ पर नाबालिग को शराब पिलाने और छेड़छाड़ करने का आरोप है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़िता और भागीरथ के बीच सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोप है कि भागीरथ ने नाबालिग को बालिग होने पर शादी करने का झूठा वादा कर अपने जाल में फंसाया। पीड़िता की मां ने बताया कि भागीरथ मेरी बेटी को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करता था और पढ़ाई-लिखाई तथा करियर से जुड़े फैसलों पर भी रोक लगाता था। आरोप है कि इस दौरान भागीरथ बेटी को कई बार निजी अपार्टमेंट और फार्म हाउस में ले जाकर यौन उत्पीड़न करता था, जिसमें 31 दिसंबर, 2025 की रात मोइनाबाद के फार्महाउस पर हुई घटना प्रमुख है, जब बेटी को जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

लेकिन शुरुआती दबाव के कारण परिवार ने शिकायत दर्ज कराने में देरी की। आखिरकार, करीब चार महीने बाद 8 मई को मां की शिकायत पर




भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। तेलंगाना पुलिस ने भागीरथ को 16 मई को गिरफ्तार किया। कुकटपल्ली की डिप्टी कमिश्नर आईपीएस रितिराज ने स्पष्ट किया कि भागीरथ ने आत्मसमर्पण नहीं किया था बल्कि मंत्री के बेटे को पुलिस ने पकड़ा है। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, खासकर आरएसएस और भाजपा के बीच दरार पैदा हुई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड 8 सीटों पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेलंगाना आरएसएस ने इस विवाद से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। तेलंगाना के प्रांत प्रचारक कट्टा राजगोपाल ने कहा है कि यह भाजपा का आंतरिक मामला है और अगर कोई उनके पदाधिकारियों को इसमें घसीटकर संघ की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, तब कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## वेबसाइट बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका; अब क्या करेगी 'कॉकरोच जनता पार्टी', खुद दिया बड़ा संकेत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब खुद को केवल सोशल मीडिया अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी से जुड़े लोगों ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इसे युवाओं के बड़े जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इंस्टाग्राम पर करोड़ों युवाओं को जोड़ने वाली इस मुहिम ने हाल ही में अपना रोडमैप जारी करते हुए कहा कि यह केवल शुरुआत है और आगे देशभर में कई स्तरों पर अभियान चलाए जाएंगे। हालांकि इस अभियान को लेकर विवाद भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्टी की वेबसाइट पर कार्रवाई होने और सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर किए जाने के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक लंबे संदेश में 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने खुद की तुलना उन जीवों से की जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहते हैं। पोस्ट में कहा गया कि देश का युवा वर्ग भी आज संघर्ष, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसी परिस्थितियों से जूझ रहा है, लेकिन वह हार नहीं मानेगा। पार्टी ने दावा किया कि उसकी




विचारधारा भारतीय संविधान से प्रेरित है और वह लोकतंत्र, सामाजिक न्याय तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए संघर्ष करेगी। संगठन ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से देश में बदलाव के लिए सुझाव भी मांगे हैं। पार्टी का कहना है कि बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और संस्थागत पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर जल्द बड़े अभियान शुरू किए जाएंगे। इस बीच अभियान शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को लगातार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके घर के बाहर सुरक्षा के तौर पर पुलिस तैनात की गई है। अभिजीत फिलहाल अमेरिका के बोस्टन में हैं, जबकि उनके परिवार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि न्यायालय की टिप्पणियों का उपयोग प्रचार के लिए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह मुहिम तेजी से फैल गई।

# ब्रह्मोस मिसाइल की बढ़ी वैश्विक मांग, कई अरब देशों ने दिखाई दिलचस्पी




**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत में निर्मित ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणाली की वैश्विक मांग लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पश्चिम एशिया के कई अरब देशों ने भारत से इन मिसाइलों की खरीद में रुचि दिखाई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं ने रक्षा तैयारियों को और तेज कर दिया है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे देशों ने भारत से रक्षा खरीद को लेकर संपर्क किया है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रक्षा और विदेश मंत्रालय स्तर पर बातचीत जारी होने की जानकारी सामने आई है।

भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम के तहत तैयार की जाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे आधुनिक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं आकाश मिसाइल प्रणाली मध्यम दूरी तक दुश्मन के विमानों और ड्रोन हमलों को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है। हाल के वर्षों में भारतीय रक्षा तकनीक को लेकर दुनिया के कई देशों की रुचि बढ़ी है और भारत भी रक्षा निर्यात को नई रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद अब कई अन्य देश भी इस रक्षा प्रणाली को खरीदने के इच्छुक हैं। पहले से करीब आधा दर्जन देश ब्रह्मोस के लिए कतार में बताए जा रहे थे और अब अरब देशों की दिलचस्पी ने इसकी मांग को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मिसाइल तकनीक कम लागत और उच्च क्षमता के कारण वैश्विक रक्षा बाजार में तेजी से मजबूत स्थिति बना रही है।

इस बीच सऊदी अरब की ओर से अभी तक भारत से किसी औपचारिक रक्षा खरीद प्रस्ताव की जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक संबंधों के कारण सऊदी अरब फिलहाल संतुलित रुख अपनाए हुए है। हालांकि क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे में रक्षा साझेदारियों के नए समीकरण बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के लिए यह अवसर रक्षा निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक रणनीतिक प्रभाव मजबूत करने के रूप में भी देखा जा रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



## केजी-बेसिन गैस विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने सुलह प्रक्रिया पर सहमति जताई

**शीर्ष अदालत ने जुलाई के तीसरे सप्ताह तक सुनवाई स्थगित की**

**नई दिल्ली ।**

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की केंद्र सरकार के साथ कृष्णा-गोदावरी बेसिन गैस विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने की नई अर्जी स्वीकार कर ली है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि दोनों पक्ष समाधान निकाल लेते हैं, तो लंबित अपील का निपटारा कर दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस उल्लेख का संज्ञान लिया कि सुलह प्रक्रिया के लिए आवेदन किया गया है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने सरकार की ओर से इस अनुरोध पर विचार करने की सहमति जताई। इस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई जुलाई के तीसरे सप्ताह तक स्थगित कर दी। पीठ ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यदि विवाद सुलह से सुलझता है तो हमें खुशी होगी। गौरतलब है कि 20 मई को इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने रिलायंस और उसकी साझेदार कंपनियों की मध्यस्थता की पिछली मांग को ठुकरा दिया था। यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों से संबंधित है, जिसने मध्यस्थता न्यायाधिकरण के रिलायंस के पक्ष में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया था। कंपनियों पर केजी बेसिन के ऐसे गैस भंडारों से गैस निकालने का आरोप है, जिनका दोहन करने का उन्हें अधिकार नहीं था।

## ताइवान बना दुनिया का पांचवां बड़ा शेयर बाजार, भारत को पीछे छोड़ा

**ताइवान का बाजार मूल्य 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा, जबकि भारत 4.92 ट्रिलियन डॉलर के साथ छठे स्थान पर**

**नई दिल्ली ।**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्रांति की लहर पर सवार होकर ताइवान ने वैश्विक शेयर बाजार में एक बड़ी छलांग लगाई है। देश ने भारत को पीछे छोड़ते हुए सोमवार तक दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी मार्केट का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसका कुल बाजार पूंजीकरण 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से दिग्गज चिप निर्माता कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैनुफैक्च रिंग कंपनी को जाता है, जिसकी एआई चिप्स की बढ़ती वैश्विक मांग ने ताइवानी बाजार को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचाया है। यह न सिर्फ ताइवान की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक टेक सप्लाई चेन में उसके केंद्रीय महत्व को भी रेखांकित करता है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को ताइवान के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप 4.95 ट्रिलियन डॉलर दर्ज किया गया, जबकि भारत का बाजार मूल्य घटकर 4.92 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इस बदलाव के साथ, दुनिया के सबसे बड़े इक्विटी बाजारों की सूची में अब अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद ताइवान का नाम शामिल हो गया है। ताइवान की इस शानदार प्रगति का सबसे प्रमुख कारण दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता टीएसएमसी रही है। कंपनी के शेयरों में इस साल अकेले करीब 49 प्रतिशत की जबरदस्त उछाल देखी गई है। एआई सेक्टर में अभूतपूर्व मांग बढ़ने से टीएसएमसी को सीधा फायदा मिला है, क्योंकि उसके उन्नत सेमीकंडक्टर वैश्विक टेक दिग्गजों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स के निर्माण में रीढ़ की हड्डी माने जाते हैं। एन विडिया जैसी कंपनियों के लिए चिप्स बनाने वाली टीएसएमसी ने एआई चिप्स की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## रुपया 17 पैसे गिरकर 95.43 प्रति डॉलर पर खुला

**रुपया पिछले दिन 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था**

**मुंबई ।**

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में मंगलवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बने रहने तक रुपये पर व्यापक दबाव जारी रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उपाय और तरलता बढ़ाने से निकट अवधि में कुछ राहत दे सकते हैं और उतार-चढ़ाव को सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है।

# रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 45 अंक नीचे आकर 95.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 17 पैसे फिसलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.43 पर आ गया। महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से 17 पैसे कमजोर है। सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कारोबारियों के अनुसार उस दिन आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर

## एचपीसीएल की ईंधन बिक्री में मजबूत उछाल

**नई दिल्ली ।**



सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी तेल विपणन कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने मई महीने के शुरुआती 24 दिनों में ईंधन बिक्री में शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो आर्थिक गतिविधियों में तेजी और बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग का स्पष्ट संकेत है। कंपनी के अनुसार 1 से 24 मई के दौरान पेट्रोल की खुदरा बिक्री 7.36 लाख टन दर्ज की गई, जो पिछले साल की इसी अवधि के 7 लाख टन से 5 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह डीजल की खुदरा बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 7 प्रतिशत बढ़कर 14.27 लाख टन पर पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 13.35 लाख टन डीजल बेचे थे। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ रही है और लोगों की आवाजाही बढ़ रही है, जिससे ईंधन की खपत में इजाफा हुआ है।

## महंगा हुआ घर खरीदना, बिक्री मूल्य 16 फीसदी बढ़ा

**आपूर्ति बढ़ने से बिना बिके मकानों की संख्या 13 फीसदी बढ़कर 12 लाख इकाई हुई**

**नई दिल्ली।**



भारत के प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान घरों की बिक्री में एक दिलचस्प प्रवृत्ति देखने को मिली है। एक रिपोर्ट बताती है कि जहां घरों की बिक्री का कुल मूल्य 16 फीसदी बढ़कर 9.33 लाख करोड़ रुपये हो गया, वहीं बेचे गए घरों की संख्या में 1 फीसदी की मामूली गिरावट आई। एक गैर-ब्रोकरेज रियल एस्टेट अनुसंधान और डेटा विश्लेषण कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश के 75 प्रमुख शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 7,09,793 आवासीय इकाइयाँ बिकीं, जो पिछले वित्त वर्ष की 7,19,029 इकाइयों से थोड़ी कम है। हालांकि, मूल्य के हिसाब से बिक्री 9,32,965 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो यह दर्शाता है कि प्रॉपर्टी की औसत कीमतें बढ़ी हैं। इसी अवधि में नए घरों की आपूर्ति 10 प्रतिशत बढ़कर 6,20,842 इकाई हो गई। आपूर्ति में वृद्धि के कारण बिना बिके मकानों (अनसोल्ड इन्वेंट्री) की संख्या में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह लगभग 12 लाख इकाई तक पहुंच गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष आठ शहरों में बिक्री थोड़ी घटकर 5,07,850 इकाई रही, जबकि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में भी बिक्री में मामूली गिरावट आई।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 479 , निफ्टी 118 अंक गिरा**

**मुम्बई ।**



घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। आज सुबह बाजार खुलते ही तेजी दिखी पर समय बीतने के साथ ही बाजार का रुख बदलने लगा और उसमें गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद दोनों बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 479 अंक टूटकर 76,009 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी दिन के अंत में 118 अंक नीचे आकर 23,913 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज्यादा उछाल अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में आया।

इसके अलावा टाटा मोटर्स , टेक महिंद्रा के अलावा नेस्ले इंडिया के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर अपोलो अस्पताल के अलावा विप्रो , भारती एयरटेल और ट्रेंट के शेयर गिरे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी एनर्जी के अलावा निफ्टी कमोडिटीज में तेजी रही जबकि निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी सर्विसेज सेक्टर और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स भी 141.36 अंक की गिरावट के साथ 76,347.60 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप में हल्की 0.14 फीसदी की तेजी रही, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.65 फीसदी की मजबूत बढ़त के रही। ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और रियल्टी इंडेक्स दबाव में रहे, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी और मीडिया सेक्टर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार को कुछ सहारा दिया।

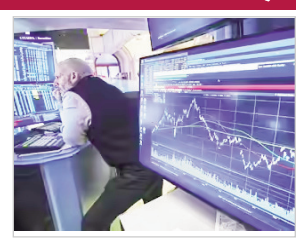
यह गिरावट अमेरिका द्वारा दक्षिणी ईरान में किए गए ताजा सैन्य हमलों के बाद बढ़ी वैश्विक अनिश्चितता के कारण आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

# श्रीलंका में केंद्रीय बैंक का बड़ा कदम, ब्याज दरों में एक फीसदी की बढ़ोतरी

**तीन साल में पहली बार बढ़ी दरें, वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी वजह**

**कोलंबो ।**

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण मौद्रिक नीतिगत फैसले में अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत अंक (100 आधार अंक) की वृद्धि कर दी है। यह बीते तीन वर्षों में पहली बार है जब केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति को सख्त किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य घरेलू मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच कमजोर पड़ रहे श्रीलंकाई रुपये को सहारा देना है। मौद्रिक नीति बोर्ड की बैठक के बाद लिए गए इस निर्णय से ओवरनाइट नीतिगत दर (ओपीआर) अब बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ ही, मानक जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) को 8.25 प्रतिशत और स्थायी उधारी सुविधा दर (एसएलएफआर) को 9.25 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर में वृद्धि का यह निर्णय घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए लिया है। बैंक ने विशेष रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल सहित अन्य जिंसों की कीमतों में हो रही वृद्धि का हवाला दिया, जिसका सीधा असर वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आने वाले समय में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत के उसके लक्ष्य से ऊपर बनी रह सकती है, हालांकि बाद में इसके स्थिर होने की संभावना है। इसके



अतिरिक्त, श्रीलंकाई रुपये पर हाल के हफ्तों में दबाव देखा गया है, जो इस साल की शुरुआत से 22 मई तक 7.2 प्रतिशत कमजोर हो चुका था। हालांकि, बैंक का कहना है कि अब स्थिति में कुछ हद तक स्थिरता आई है।

## प्रीमियर एनर्जीज में 2,291 करोड़ का संस्थागत निवेश

**नई दिल्ली।**



नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड में वैश्विक और घरेलू वित्तीय संस्थानों ने बड़ा दांव लगाया है। नोमुरा एसेट मैनेजमेंट और कैपिटल ग्रुप सहित कई संस्थागत निवेशकों ने कंपनी में 2,291 करोड़ रुपये में 5.3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से संपन्न हुआ। इस सौदे में कनाडा के पब्लिक सेक्टर पेंशन इन्वेस्टमेंट बोर्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे विदेशी निवेशक, और क्वांट म्यूचुअल फंड, बजाज फिनसर्व, बंधन म्यूचुअल फंड के साथ-साथ एचडीएफसी लाइफ व एसबीआई लाइफ जैसी प्रमुख घरेलू संस्थाएं शामिल रहीं। कंपनी के चार प्रवर्तकों ने औसतन 955 रुपये प्रति शेयर के भाव से कुल 2,39,85,197 शेयर बेचे, जिससे उनकी हिस्सेदारी 63.94 प्रतिशत से घटकर 58.65 प्रतिशत हो गई। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है जब प्रीमियर एनर्जीज को हाल ही में 1,600 मेगावाट क्षमता के सौर सेल एवं मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 2,577 करोड़ रुपये के बड़े ऑर्डर मिले हैं।

# भारत-कनाडा एफटीए 2030 के अंत तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

**पीयूष गोयल और मनिंदर सिद्धू ने जताई प्रतिबद्धता; तीसरे दौर की वार्ता ओटावा में जारी**

**नई दिल्ली।**

भारत और कनाडा इस वर्ष के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी कनाडा यात्रा के दौरान यह घोषणा की, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। ओटावा में कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पीयूष गोयल ने बताया कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने इस साल के अंत तक इस समझौते को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने कहा कि हमारा उद्देश्य मौजूदा 17 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक 50 अरब डॉलर करना है। अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी मुलाकात की, जिन्होंने एफटीए को कनाडाई कामगारों और कारोबार के लिए गेम चेंजर बताया। कार्नी ने ऊर्जा, कृषि-खाद्य, प्रौद्योगिकी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी गिनाईं। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता 25 से 29 मई तक ओटावा में जारी है। भारत की ओर से संयुक्त सचिव बृजमोहन मिश्रा और कनाडा की ओर से ब्रूस क्रिस्टी मुख्य वार्ताकार हैं। द्विपक्षीय व्यापार में दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दालें और कच्चा पेट्रोलियम प्रमुख मदें हैं, जबकि कनाडा में 4.25 लाख से अधिक भारतीय छात्र और एक बड़ा भारतीय समुदाय भी रहता है।

# यूपीआई पेमेंट में बदलाव, अब दुकानों पर दिखेगा सिर्फ एक स्मार्ट साउंडबॉक्स!

**एनपीसीआई ला रहा वन साउंडबॉक्स रूल, सभी ऐप्स के लिए एक ही डिवाइस देगा पेमेंट की जानकारी**

**नई दिल्ली ।**

भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी है। अब दुकानों पर गूगल प्ले, फोनपे और पेटीएम जैसे अलग-अलग यूपीआई ऐप्स के लिए कई साउंडबॉक्स रखने की झंझट खत्म होने वाली है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसका लक्ष्य पेमेंट अनुभव को और भी सुव्यवस्थित करना है। एनपीसीआई अब वन साउंडबाक्स रूल लागू करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसके तहत इंटरोपेरेबल साउंडबाक्स तकनीक विकसित की जा रही है। इसका सीधा मतलब है कि दुकानदारों को अब कई कंपनियों के अलग-अलग साउंडबॉक्स रखने की जरूरत नहीं होगी।

भविष्य में सिर्फ एक ही स्मार्ट साउंडबॉक्स होगा जो किसी भी यूपीआई ऐप से आने वाले पेमेंट की जानकारी और पुष्टि आवाज के माध्यम से देगा। यह सुविधा उसी तरह काम करेगी जैसे आज एक क्यूआर कोड सभी यूपीआई ऐप्स के साथ संगत होता है। यह पहल विशेष रूप से छोटे दुकानदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी। उन्हें अब काउंटर पर कई डिवाइस रखने, उनका मासिक किराया या खर्च चुकाने और जगह घेरने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इससे उनके काउंटर साफ-सुथरे और व्यवस्थित दिखेंगे, संचालन लागत में कमी आएगी और डिजिटल पेमेंट को अपनाना और भी आसान हो जाएगा। इस बदलाव से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम और परिपक्व होगा।

## पुराने गहने एक्सचेंज करने पर लग सकता है कैपिटल गेन टैक्स!

**टैक्स विशेषज्ञः यह सिर्फ डिजाइन बदलना नहीं, संपत्ति का हस्तांतरण है**



**नई दिल्ली ।**

भारत में अक्सर लोग पुराने गहनों को एक्सचेंज कर नए डिजाइन बनवाते हैं, लेकिन यह आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रक्रिया केवल डिजाइन बदलने तक सीमित नहीं, बल्कि इनकम टैक्स नियमों के तहत एसेट ट्रांसफर यानी संपत्ति का हस्तांतरण माना जा सकता है, जिस पर कैपिटल गेन टैक्स भी लागू हो सकता है। आयकर कानून के तहत पुराने गहनों के बदले नए गहने लेना भी ट्रांसफर माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति ने सालों पहले कम कीमत पर सोना खरीदा था और अब एक्सचेंज के दौरान उसकी कीमत काफी बढ़ गई है, तो बढ़ी हुई वैल्यू पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना पड़ सकता है। भले ही उपभोक्ता को सीधे नकदी न मिली हो, टैक्स विभाग इसे संपत्ति के हस्तांतरण के रूप में देखेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, पुश्तैनी और पुराने गहनों के मामले में यह दिक्कत ज्यादा होती है, क्योंकि अक्सर इनकी खरीद के दस्तावेज या असली कीमत का रिकॉर्ड नहीं मिलता, जिससे टैक्स की गणना जटिल हो जाती है। विरासत या वसीयत में मिले गहनों पर भी यही नियम लागू हैं, जहां पुराने मालिक की खरीद कीमत आधार बनती है। 1 अप्रैल 2001 की कीमत कैपिटल गेन गणना में महत्वपूर्ण है।

आजकल ज्वेलर्स भले ही आसानी से एक्सचेंज की सुविधा दे रहे हों, पर बिना सही रिकॉर्ड और मूल्यांकन के भविष्य में दिक्कत हो सकती है। टैक्स विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गहनों के एक्सचेंज से पहले खरीद तारीख, अनुमानित कीमत और सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच जरूर कर लें, ताकि भविष्य में किसी टैक्स नोटिस या अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके।

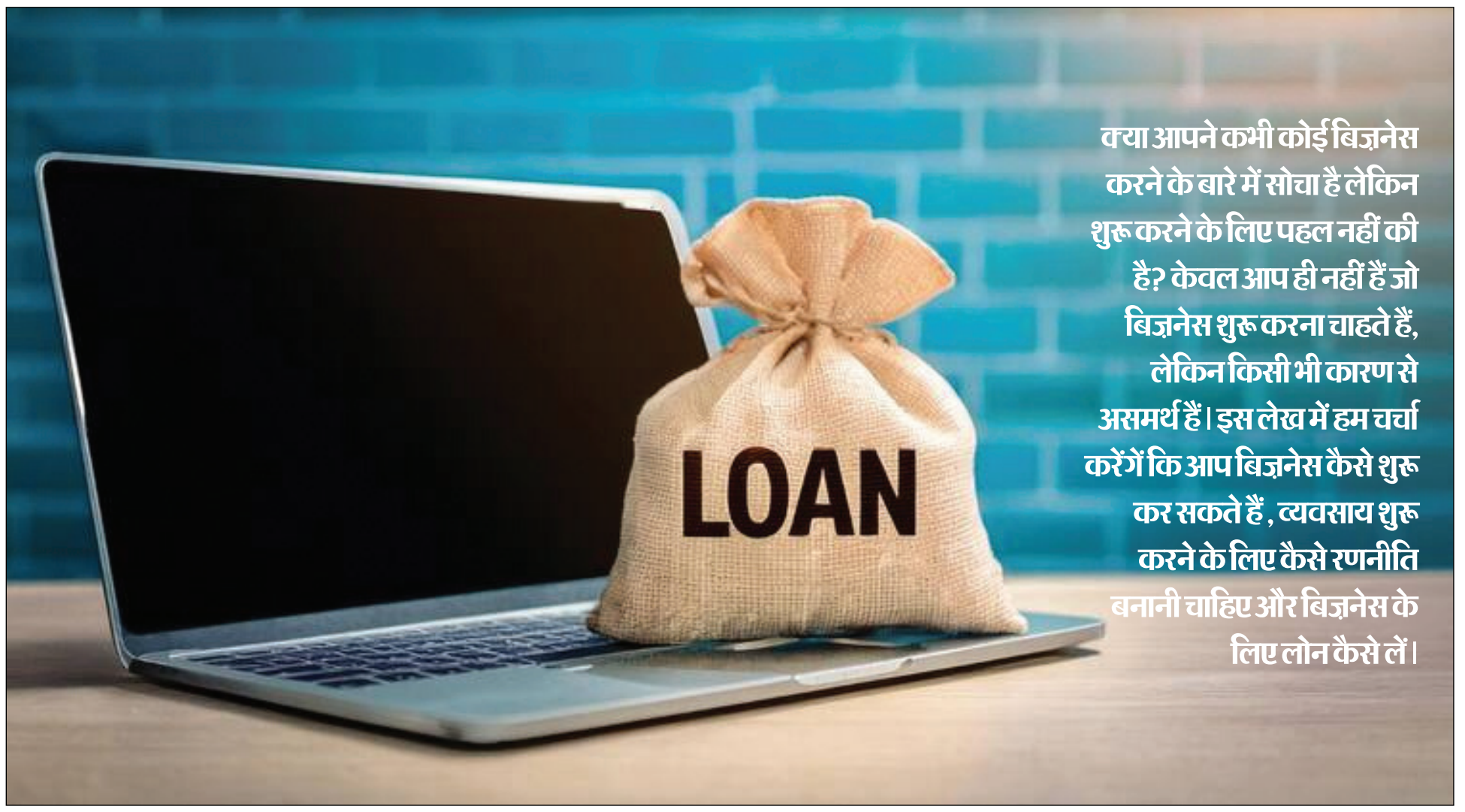
## अदाणी ग्रीन ने 3.3 गीगावाट घंटा बैटरी स्टोरेज क्षमता हासिल की

**खावड़ा परियोजना भारत के ऊर्जा भविष्य में निभा रही बड़ी भूमिका**



**नई दिल्ली।**

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की परिचालन क्षमता को बढ़ाकर 3.37 गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) कर दिया है। मार्च 2026 में 1.37 गीगावाट घंटा की अतिरिक्त क्षमता जोड़ने के बाद, यह संयंत्र अब चीन के बाहर एक ही स्थान पर स्थापित दुनिया की सबसे बड़ी और वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से लागू की गई बैटरी भंडारण परियोजना बन गया है। खावड़ा में एजीईएल 30 गीगावाट का एक विशाल नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रहा है, जिसमें से 9.9 गीगावाट पहले ही चालू हो चुका है। यह 3.37 गीगावाट की बीईएसएस क्षमता लगभग 10 लाख घरों को एक दिन तक स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने या 1.2 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों को 10 घंटे तक लगातार ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है। कंपनी की योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 10 गीगावाट घंटा से अधिक बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने और अगले पांच वर्षों में इसे 50 गीगावाट तक पहुंचाने की है। एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने इस उपलब्धि पर जोर देते हुए कहा, ÷बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के अगले चरण में अहम भूमिका निभाएगा। विश्वसनीय और 24 घंटे स्वच्छ बिजली आपूर्ति के लिए भंडारण अवसंरचना जरूरी है।÷ एजीईएल का कुल परिचालन नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो अब 19.7 गीगावाट है।




क्या आपने कभी कोई बिज़नेस करने के बारे में सोचा है लेकिन शुरू करने के लिए पहल नहीं की है? केवल आप ही नहीं हैं जो बिज़नेस शुरू करना चाहते हैं, लेकिन किसी भी कारण से असमर्थ हैं। इस लेख में हम चर्चा करेंगें कि आप बिज़नेस कैसे शुरू कर सकते हैं, व्यवसाय शुरू करने के लिए कैसे रणनीति बनानी चाहिए और बिज़नेस के लिए लोन कैसे लें।

# बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन



## व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

### अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

### बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

### खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

### बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

### स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

### अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम
अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना
कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना
एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना
अकाउंट सिस्टम चुनना
एक वेबसाइट बनाना
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

### स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की जरूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ब्लू पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

### अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

## बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

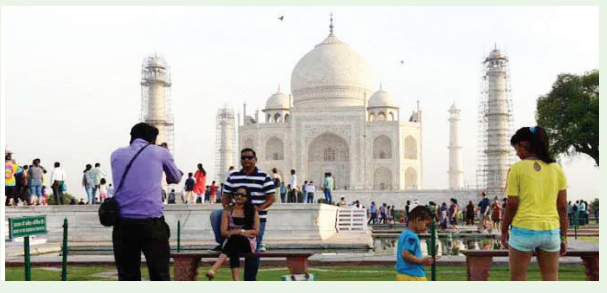
## धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

## गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान –एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है



और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी – किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल –अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स – गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं – अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.



## ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

### आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

### 12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

### ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (ए्स्र, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

### वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

### 12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीसी एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

### अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

## श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

**मुम्बई ।**

आईपीएल से पंजाब किंग्स के बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगी। श्रेष्ठा को उनके एक पुराने वीडियो के लिए ट्रोल किया जा रहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब श्रेष्ठा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स का मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद एक वीडियो बनाया था। उस वीडियो में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, जा एक अंक दित्ता (चलिए आपको एक अंक दिया), क्योंकि बारिश के कारण मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला था, और उस समय पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत थी। पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन इसके बाद टीम लगातार छह मैच हार गई। इसके बाद से ही श्रेष्ठा निशाने पर आ गयीं।

# सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

### शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

**मुल्लांपुर ।** सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

**इन बल्लेबाजों** को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।




**सनराइजर्स के आक्रामक** रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

**आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें।** इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे।

## आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

**मुम्बई ।**



इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

## पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड



**नई दिल्ली ।** मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

# आईपीए 2026 ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

**मुम्बई ।** आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ स दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।




वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है। जोफा आर्चर 21 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों के लिए खतरा बने हुए हैं। पांचवें स्थान पर राशिद खान हैं।, जिन्होंने 19 विकेट लिए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से कभी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

### संक्षिप्त समाचार

## सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

### एक दिन शीर्ष पर रही गुजरात खेल रही प्लेऑफ



**मुम्बई ।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची। वहीं अन्य टीमों की बात करें तो, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसी) भी 18 दिनों तक लगाकार नंबर एक पर रही और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची। र एक पर रही और उन्होंने भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंतिम समय में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली राजस्थान रॉयल्स कुल 13 दिन अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, 14 में से 9 मैच जीतने के बावजूद एलिमिनेटर में पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद भी 4 दिन नंबर एक पर रही। प्लेऑ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने क्वालीफाई किया है।यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि आईपीएल की अंक तालिका कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। यहां शुरुआती बढ़त या लंबे समय तक शीर्ष पर रहना भी सफलता की गारंटी नहीं होता।

## एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

**मुम्बई।**

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके।

# श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुशल मेंडिस को बनाया कप्तान

**कोलंबो ।** श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी20 टीम घोषित कर दी है। दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम की कप्तानी कुशल मेंडिस को दी गयी है। नये चयन पैनल ने कहा है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए ये बदलाव लाया गया है। मेंडिस ने पहले भी 17 एकदिवसीय मैचों में देश की कप्तानी की है पर अब उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय की भी कप्तानी दी गयी है। वहीं पहले चरित असलंका और दासुन शनाका कप्तान थे हालांकि टेस्ट टीम की कप्तानी धनंजय डिसिल्वा के पास ही रहेगी। जबकि बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को तीनों ही प्रारुपों में उपकप्तान बनाया गया है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदरा और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसिथा विजेसुंदरा को टेस्ट टीम में शामिल किय गया है। ये दोनो ही इस दौरे से डेब्यू करेंगे। सीमित ओवरों की टीम में बल्लेबाज लसिथ क्रूसपुले को भी शामिल किया गया है। है, लसिथ ने पिछले माह न्यूजीलैंड ए टीम के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। शनाका को इस बार केवल टी20 टीम में ही शामिल किया गया है। वहीं असलंका को केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की टी20 टीम में वापसी हुई है। श्रीलंकाई टीम मंगलवार 26 मई को वेस्टइंडीज के दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

**टीमें इस प्रकार हैं**

टेस्ट टीम पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, निशान मदुशंका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस (उपकप्तान), सोनल दिनुशा, कुसल मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), मिलन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, इसिथा विजेसुंदरा, कसुन राजिथा।




## अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

**चेन्नई।**

तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है। अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।÷ गौरतब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, ÷मैं उन सभी छह टीमों के प्रति अभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।÷ अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवी को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, ÷आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली।

## आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल , टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

**मुम्बई ।**

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कही हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं। यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है।

## त्रिशा जॉली पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

**नई दिल्ली, ।**

बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

**त्रिशा का जन्म 27 मई**, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं।

हालांकि, **केरल में बैडमिंटन** के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया।

हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

**त्रिशा और गायत्री की जोड़ी इस प्रतिष्ठित** टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इसके बाद साल 2024 में हुए एशिया टीम चैंपियनशिप में त्रिशा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं और उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का डबल्स खिताब अपने नाम किया।

यह उनका पहला सुपर सीरीज 300




खिताब भी रहा। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा महिला युगल में विश्व रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचीं। त्रिशा से आने वाले वर्षों में देश को और पदक की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह एक बार फिर दमदार प्रदर्शन से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगी।

## पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित



**नई दिल्ली ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।



## सलमान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर चर्चा की

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं।

बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।



## वेधा जुनूनी और महत्वाकांक्षी किरदार, टीवी से ओटीटी तक का सफर रोमांचक

टीवी शो 'अनुपमा' में किंजल का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री निधि शाह अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। अपनी अपकमिंग ओटीटी सीरीज में वह 'वेधा' के किरदार में नजर आएंगी, जिसे लेकर उत्साहित निधि ने बताया कि यह बेहद खास है। निधि ने कहा कि कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में उन्हें खूब मजा आया। निधि शाह ने अपने नए किरदार वेधा की तारीफ करते हुए बताया, 'वेधा बहुत जुनूनी और महत्वाकांक्षी है। वह ऐसी दुनिया में रहती है, जहां ताकत और जिंदा रहना बहुत मायने रखता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी पहचान बनाए रखते हुए इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।' निधि के लिए यह डिजिटल डेब्यू काफी रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया, 'डिजिटल स्पेस में यह मेरा पहला कदम है। एक्टिंग और कहानी कहने का तरीका टीवी से काफी अलग है। मुझे सच में कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में बहुत मजा आया।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि दर्शकों ने उन्हें किंजल के रूप में बहुत प्यार दिया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं लेकिन वेधा बिल्कुल अलग किरदार है। 'वह मजबूत, कई परतों वाली और उसकी कहानी बहुत अलग है। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद का नया पहलू आजमाना चाहती थी।' निधि ने टीवी और ओटीटी के काम के तरीके में अंतर भी बताया। निधि के अनुसार, टीवी पर शेड्यूल बहुत तेज होता है, जबकि ओटीटी में कलाकारों को थोड़ा धीमा होकर बारीकियों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। कहानी कहने का तरीका ज्यादा सूक्ष्म और असली जैसा है, जिसका मैंने पूरा मजा लिया। यह अब तक का सबसे अलग किरदार रहा।' बता दें, रुपाली गांगुली के टीवी शो 'अनुपमा' में निधि शाह ने किंजल का रोल निभाया है। यह शो रूपाली गांगुली के लीड रोल वाली बेहद लोकप्रिय सीरीज है, जो बंगाली शो 'श्रीमयी' का रीमेक है। निधि के किरदार किंजल को दर्शकों का खूब प्यार मिला।



## रुबीना दिलैक ने नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ की

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए।



## सस्पेंस, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी 'प्रीतम एंड पेड्रो'

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग-अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है 'प्रीतम एंड पेड्रो'। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है। टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई देते हैं जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं। यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है।




## उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों। आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए।'' उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।''

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आईं। अब वह 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आएंगी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।'' उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।'' उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे।



## संघर्ष से रहा गहरा नाता, आज दमदार किरदारों संग फिल्मों से लेकर ओटीटी तक की 'क्वीन'



**बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा।**

बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं। 22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की। इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

### ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाती हैं शेफाली

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

## संक्षिप्त समाचार

### फिलीपींस में नौ मंजिला इमारत गिरी, 21 लोग मलबे में दबे

**मनीला, एजेंसी।** फिलीपींस की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एंजेल्स शहर में रविवार तड़के एक निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में कम से कम 21 लोग लापता हैं, जिनके मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश और तूफान के बाद यह हादसा हुआ। राहत कार्य के दौरान मलबे के नीचे से कुछ आवाजें सुनाई दी हैं, बचावकर्मी कंक्रीट काटकर लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

### बहरीन : आईआरजीसी के साथ साजिश के आरोप में 9 को उम्रकैद

**बहरीन, एजेंसी।** बहरीन की एक अदालत ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के साथ मिलकर देश के खिलाफ आतंकवादी और शत्रुतापूर्ण कृत्यों की साजिश रचने के आरोप में नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। रविवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दो अन्य आरोपियों को तीन-तीन साल जेल की सजा दी गई है। दोषी पाए गए व्यक्ति संवेदनशील स्थलों की जानकारी जुटाने और वित्तीय लेनदेन की सुविधा प्रदान करने में शामिल थे।

### बलूचिस्तान में मुठभेड़ में नौ लड़ाकों और चार जवानों की मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में स्थानीय लड़ाकों के खिलाफ चलाए गए एक खुफिया ऑपरेशन में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और सात घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार को बताया कि कुचलक और नोहसार इलाकों में शनिवार को हुई मुठभेड़ में नौ लड़ाके भी ढेर कर दिए गए। मारे गए सभी जवान आतंकवाद निरोधी विभाग के थे। घायल कर्मियों का क्वेटा में इलाज चल रहा है। सुरक्षा बलों ने पहले भी 35 लड़ाकों को ढेर किया था।

### पाकिस्तान : आतंकियों ने शांति समिति के चार सदस्यों को मारा

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवादियों ने बड़ा हमला कर दिया। यह हमला डेरा इस्माइल खान जिले की कुलाची तहसील में हुआ, जहां स्थानीय शांति समिति के सदस्यों को निशाना बनाया गया। इस हमले में चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर समिति के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमलावरों ने सिर्फ हमला ही नहीं किया, बल्कि समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया। इसके अलावा आतंकवादी वहां मौजूद अन्य सदस्यों के हथियार भी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवादी हमलों से प्रभावित रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस का कहना है कि आतंकियों की तलाश जारी है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। मालूम हो कि पाकिस्तान में विद्रोही संगठन भी लगातार हिंसक आंदोलन कर रहे हैं।

### स्पेन : घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन, नारेबाजी

**मैड्रिड, एजेंसी।** स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों लोगों ने घरों की बढ़ती लागत के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोग लगातार बढ़ते किराए और घरों की कीमतों से परेशान हैं। इससे कई स्पेनिश नागरिकों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो गया है। यह प्रदर्शन रविवार को शहर के केंद्र में किया गया। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के लिए 2027 के चुनाव से पहले स्पेन में आवास संकट एक बड़ी राजनीतिक चुनौती माना जा रहा है।

### द. चीन सागर में ताइवान के नियंत्रण वाले द्वीप के पास टकराव के बाद वापस लौटा चीनी जहाज

**ताइपे, एजेंसी।** दक्षिण चीन सागर के उत्तरी छोर पर स्थित रणनीतिक तौर से अहम प्रतास द्वीप समूह के पास ताइवान और चीन के तटरक्षकों के बीच गंभीर गतिरोध और तीखी बहस के बाद रविवार को आखिरकार चीनी तटरक्षक जहाज वापस लौट गया। ताइवानी तटरक्षक बल के मुताबिक, शनिवार को एक चीनी तटरक्षक जहाज प्रतास द्वीप की ओर आते देखे जाने पर ताइवान ने जहाज भेज तुरंत चेतावनी दी थी। इस पर दोनों पक्षों के बीच संप्रभुता को लेकर रेडियो पर तीखी बहस हुई। इसमें चीन ने अपने जहाज के रोजाना की गश्त पर होने और प्रतास द्वीप के चीन की संप्रभुता और अधिकार होने की बात कही। इसके जवाब में ताइवानी जहाज ने चीनी जहाज से शांति भंग न करने और वापस लौटने को कहा।

# यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला, रूस ने बरसाया घातक हथियार, क्या है हाइपरसोनिक ओरेशनिक मिसाइल

**कीव , एजेंसी।** रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेशनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। इस हमले में दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यूक्रेन के प्रधानमंत्री जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेशनिक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है।

**क्या है ओरेशनिक मिसाइल :** ओरेशनिक मिसाइल आवाज की रफ्तार से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है। यह भूमिगत बंकरों को तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है। रूसी भाषा में 'ओरेशनिक' का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। यह तीसरी बार है जब रूस ने ओरेशनिक मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन पर किया है। रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेशनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया था। दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था। यूक्रेन का क्या दावा यूक्रेन की वायु सेना



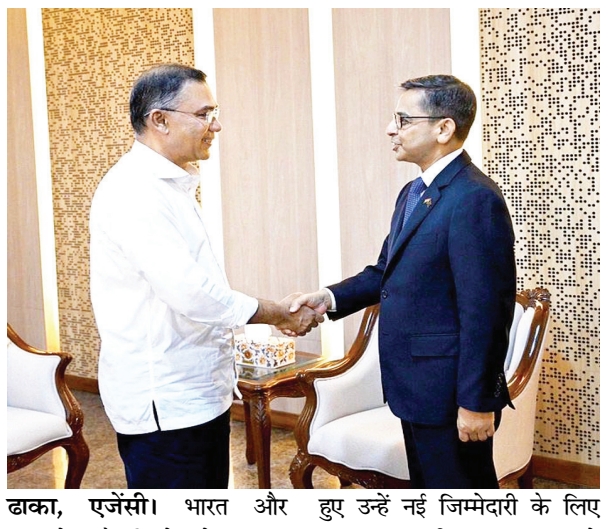
के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया। वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेशनिक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है।

**जगह-जगह उठता रहा धुआं :** चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा। एपी के पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। रविवार सुबह तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है। कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है।

**पांच मंजिला इमारत पर हमला :** यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ। इससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गवर्नर मायकोला कलाश्निक के अनुसार, कीव क्षेत्र में कई समुदायों को नुकसान पहुंचा है।

**रूस ने क्या कहा :** रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने 'ओरेशनिक' सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों, वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे। मंत्रालय ने यह भी कहाकि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में एक कॉलेज के छात्रावास पर ड्रोन हमले की निंदा की। रूस ने इन हमलों के लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सेवा ने शनिवार देर रात बताया कि स्टारोबिलस्क में हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसमें कहा गया है कि गत रात हुए हमले में 42 अन्य लोग घायल हुए थे। क्रेमलिन (रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा नियुक्त लुहांस्क क्षेत्र के अधिकारियों ने पीड़ितों के सम्मान में रविवार और सोमवार को दो दिन के शोक की घोषणा की। यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने युद्ध के शुरुआती दिनों से ही रूस पर नियमित रूप से नागरिकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। क्रेमलिन इन आरोपों से इनकार करता है।

# प्रधानमंत्री तारिक रहमान से प्रणय वर्मा की मुलाकात



**ढाका, एजेंसी।** भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को मजबूत बनाने की दिशा में एक और अहम कदम सामने आया है। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने रविवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत, बांग्लादेश के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ढाका में हुई इस विदाई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग के कई संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। तारिक रहमान ने प्रणय वर्मा के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत सरकार ने प्रणय वर्मा को अब बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है।

बैठक में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भी मौजूद रहे। प्रणय वर्मा ने सितंबर 2022 में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त का पद संभाला था। अब उनकी जगह पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश हाल के तनावपूर्ण दौर के बाद रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

# ईरान से समझौता मंजूरी में लग सकते हैं कुछ दिन : रिपोर्ट

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस का मानना है कि ईरान की लीडरशिप से इस समझौते को मंजूरी मिलने में कुछ दिन लग सकते हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अभी बातचीत पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है और यह डील टूट भी सकती है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से यह बात कही गई। सि?न्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह संभावित समझौता लंबे समय तक शांति बनाए रखने वाला कोई पक्का समझौता बनेगा या नहीं, और क्या इसमें अमेरिका की परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी मांगों का भी हल निकलेगा। रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने प्रतिनिधियों से कहा है कि वे 'जल्दबाजी में कोई समझौता न करें', क्योंकि 'समय हमारे पक्ष में है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'दोनों पक्षों को समय लेना चाहिए और सही तरीके से फैसला करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की पाबंदी तब तक पूरी तरह लागू रहेगी, जब तक कोई समझौता तय होकर उस पर आधिकारिक मंजूरी और हस्ताक्षर नहीं हो जाते। रविवार को ही ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही बातचीत का बचाव करते हुए ओबामा सरकार के समय हुए परमाणु समझौते की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा बातचीत ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकेगी। 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 2015 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुआ ईरान परमाणु समझौता यह बयान ऐसे समय आया जब ट्रंप ने कहा कि ईरान और कई मध्य-पूर्वी देशों के बीच एक बड़ा क्षेत्रीय समझौता लगभग तैयार हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं से बातचीत की है।

# कांगो में इबोला का कहर तेज: 900 के पार पहुंचे संदिग्ध मामले, दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है ये वायरस?

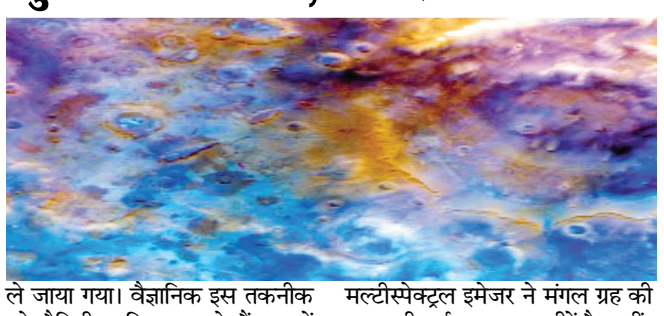
**किंशासा, एजेंसी।** अफ्रीकी देश कांगो में इबोला वायरस का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश के पूर्वी हिस्से में फैले संक्रमण ने अब गंभीर रूप ले लिया है। कांगो सरकार के मुताबिक संदिग्ध इबोला मामलों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। लगातार बढ़ते संक्रमण और मौतों ने स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस प्रकोप को कांगो के लिए बहुत बड़ा खतरा बताया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर संक्रमण फैलने का जोखिम अभी कम माना गया है। इस बीच भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की सलाह दी है। कांगो में इबोला का प्रकोप कितना गंभीर हो गया है? कांगो के संचार मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक 904 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 119 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इससे पहले 700 से ज्यादा मामलों और 170 से अधिक मौतों की जानकारी दी गई थी। संक्रमण का सबसे ज्यादा असर इतुरी प्रांत में देखा जा रहा है। स्वास्थ्य एजेंसियों का कहना है कि मौजूदा प्रकोप के लिए बंडिबुग्यो स्ट्रेन जिम्मेदार माना जा रहा है। यह इबोला का खतरनाक प्रकार है और फिलहाल इसके लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन या खास दवा उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से हालात को बेहद गंभीर माना जा रहा है। दुनिया के लिए क्यों चिंता बन रहा है इबोला कांगो में तेजी से बढ़ते इबोला मामलों ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते संक्रमण नहीं रोका गया तो यह दूसरे देशों तक फैल सकता है। बंडिबुग्यो स्ट्रेन के खिलाफ अभी कोई प्रभावी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इबोला ने फिर दिखाया कि संक्रामक बीमारियां तेजी से वैश्विक खतरा बन सकती हैं।

**भारतीयों के लिए क्या एडवाइजरी जारी की गई है :** भारत सरकार ने कांगो, युगांडा और आसपास के देशों की यात्रा को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है कि दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा टालने की सलाह दी गई है। जो भारतीय फिलहाल इन देशों में रह रहे हैं, उन्हें स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। सरकार ने लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने की अपील की है। भारत में अब तक इबोला का कितना असर देखा गया? भारत में अब तक इबोला का सिर्फ एक मामला सामने आया है। साल 2014 में पश्चिम अफ्रीका में फैले इबोला संक्रमण के दौरान लाइबेरिया से लौटे 26 वर्षीय भारतीय नागरिक में यह वायरस पाया गया था। एयरपोर्ट स्क्रीनिंग के दौरान उसकी पहचान हुई थी। बाद में उसे आइसोलेट कर सफलतापूर्वक इलाज किया गया और संक्रमण को फैलने से रोक लिया गया। इसके बाद भारत में इबोला का कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया। फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई सक्रिय मामला दर्ज नहीं है। इबोला एक बेहद खतरनाक और कई बार जानलेवा वायरस है। यह संक्रमित जानवरों से इंसानों में फैलता है और फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी, शरीर में दर्द और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं।

# मंगल के बेहद करीब पहुंचा नासा का यान, लाल ग्रह की भेजीं हैरान करने वाली तस्वीरें

**वॉशिंगटन , एजेंसी।** नासा का साइक अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के बेहद करीब से गुजरते हुए बड़ी वैज्ञानिक सफलता हासिल करने में कामयाब रहा है। इस यान ने लाल ग्रह की बेहद साफ और दुर्लभ तस्वीरें पृथ्वी पर भेजी हैं। 15 मई को हुए इस हाई-स्पीड फ्लाईबाय के दौरान यान मंगल की सतह से सिर्फ 4,609 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह मिशन सिर्फ तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मकसद अंतरिक्ष यान की रफ्तार बढ़ाना और उसकी दिशा बदलना भी था। इस उपलब्धि को नासा के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक दोनों नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है।

**आखिर मंगल के इतने करीब क्यों पहुंचा था यान :** नासा के अनुसार साइक मिशन के तहत अंतरिक्ष यान को मंगल के गुरुत्वाकर्षण का फायदा देने के लिए उसके बेहद करीब



ले जाया गया। वैज्ञानिक इस तकनीक को ग्रैविटी असिस्ट कहते हैं। इसमें किसी ग्रह की गुरुत्वाकर्षण शक्ति का इस्तेमाल कर यान को अतिरिक्त गति दी जाती है। इससे यान को अपने इंजन से कम ईंधन खर्च करना पड़ता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक की मदद से अंतरिक्ष मिशनों को लंबी दूरी तक अधिक प्रभावी तरीके से भेजा जा सकता है।

**यान ने कौन-कौन सी तस्वीरें भेजीं :** फ्लाईबाय के दौरान यान में लगे मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर ने मंगल ग्रह की सतह की कई शानदार तस्वीरें कैद कीं। इनमें मंगल के दक्षिणी उच्चभूमि क्षेत्र और विशाल डबल-रिंग ह्यूजेंस क्रेटर की तस्वीरें सबसे खास मानी जा रही हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक ह्यूजेंस क्रेटर का व्यास करीब 470 किलोमीटर है। तस्वीरों में मंगल की प्राचीन और गड्ढों से भरी सतह बेहद स्पष्ट दिखाई दे रही है। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

**मिशन के लिए यह फ्लाईबाय कितना अहम माना जा रहा है :** नासा और जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों के अनुसार यह फ्लाईबाय पूरे मिशन का बेहद महत्वपूर्ण चरण था। मंगल के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल कर यान की दिशा को सही मार्ग पर स्थापित किया गया। खास बात यह रही कि इसके लिए अतिरिक्त ईंधन खर्च नहीं करना पड़ा। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तरह की तकनीक भविष्य के गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

**अंतरिक्ष अनुसंधान में क्यों महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि :** विशेषज्ञों के मुताबिक साइक मिशन अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंगल के करीब पहुंचकर इतनी स्पष्ट तस्वीरें लेना और साथ ही यान की गति बढ़ाना दोनों बड़ी सफलता हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है।

# भारतीयों शादियों से कमाना चाह रहा नेपाल, पूर्व वित्त मंत्री ने सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग की

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने भारत से आने वाले पर्यटकों को लेकर बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि भारतीय नागरिकों के सोने के गहनों पर लगने वाला टैक्स खत्म किया जाए। पांडे का कहना है कि अगर सरकार यह कदम उठाती है तो नेपाल को शादी समारोहों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन जैसे बड़े देशों से आने वाले पर्यटकों के जरिए नेपाल अपनी पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे सकता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन पहले से ही बड़ी भूमिका निभाता है और विदेशी मुद्रा कमाने का यह अहम जरिया माना जाता है।

**भारतीय पर्यटकों को लेकर सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया :** काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम-कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती। पांडे ने खास तौर पर भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को शादी डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। लेकिन इसके लिए भारतीय मेहमानों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में राहत देना जरूरी होगा। उनका मानना है कि इससे भारतीय परिवार नेपाल में शादी समारोह आयोजित करने के लिए ज्यादा आकर्षित होंगे। नेपाल में सोने के गहनों को लेकर क्या नियम हैं फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है। सुरेंद्र पांडे का कहना है कि अगर भारतीय पर्यटकों के लिए नियम और आसान किए जाएं तो नेपाल को पर्यटन के क्षेत्र में बड़ा फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से रोजगार और कारोबार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

**पर्यटन बढ़ाने के लिए और क्या सुझाव दिए गए :** नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पांडे ने सरकार को भारत और चीन से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन पैकेज तैयार करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि नेपाल को दोनों देशों के करोड़ों लोगों को ध्यान में रखकर अपनी पर्यटन रणनीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को आसान और बिना परेशानी वाला बनाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर सीमा पर प्रक्रियाएं सरल होंगी तो ज्यादा भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचेंगे। नेपाल की अर्थव्यवस्था में पर्यटन सबसे अहम क्षेत्रों में से एक माना जाता है। पहाड़, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की वजह से बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचते हैं।

# केमिकल टैंक में ब्लास्ट का खतरा: 50 हजार से ज्यादा लोगों का विस्थापन, जहरीली गैस के खौफ से सहमा कैलिफोर्निया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक बड़ा हादसा रोकने के लिए अधिकारी दिन-रात एक कर रहे हैं। यहां एक फैक्ट्री में केमिकल का टैंक खराब हो गया है। इस टैंक से खतरनाक गैस निकल रही है, जिसके डर से हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर जाना पड़ा है। गार्डन ग्रोव शहर की जीकेएन एयरोस्पेस फैक्ट्री के एक टैंक में करीब 22,713 से 26,498 लीटर 'मिथाइल मेथाक्राइलेट' नाम का केमिकल भरा है। पिछले हफ्ते यह टैंक अचानक बहुत ज्यादा गर्म हो गया और इससे जहरीली गैस हवा में फैलने लगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर टैंक का तापमान कम नहीं हुआ, तो या तो सारा केमिकल बाहर बह जाएगा या फिर टैंक बम की तरह फट जाएगा। इस वीकेंड पर सुरक्षा के लिए 50,000 से ज्यादा लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि अभी तक कोई घायल नहीं हुआ है। दमकलकर्मी टैंक पर लगातार पानी डालकर उसे ठंडा कर रहे हैं।

**क्यों खतरनाक है यह केमिकल :** यह केमिकल एक ऐसा लिक्विड है जिसमें आसानी से आग लग जाती है और इसका कोई रंग नहीं होता। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक और नकली दांत बनाने में होता है। सरकार ने इसे बेहद खतरनाक माना है। पर्यावरण एजेंसी ईपीए के मुताबिक, इसकी गैस से आंख, नाक और फेफड़ों में तेज जलन होती है। ज्यादा मात्रा में यह गैस शरीर में जाए तो चक्कर आने लगते हैं, याददाश्त पर असर पड़ता है और सांस लेने में दिक्कत होती है। हालांकि, राहत की बात है कि अभी



हवा में प्रदूषण का स्तर सामान्य है।

**टैंक में क्या खराबी आई है :** इस मुसीबत की वजह यह है कि टैंक का ड्रेनेज वाल्व यानी केमिकल निकालने वाला रास्ता खराब हो गया है। अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो बड़ा केमिकल स्पिल होगा या फिर धमाका हो जाएगा। दमकल विभाग टैंक के तापमान को 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने में जुटा है ताकि अंदर दबाव न बने। ईपीए चीफ ली जेल्डिन ने कहा कि सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि केमिकल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खुद ही बाहर निकलने दिया जाए, ताकि अधिकारी उसे काबू में कर सकें।

**अगर धमाका हुआ तो क्या होगा :** अगर टैंक का तापमान बढ़ा, तो अंदर का लिक्विड केमिकल गैस बन जाएगा। गैस बनने से दबाव बढ़ेगा और टैंक फट सकता है। इससे आसपास के दूसरे टैंकों में भी आग लग सकती है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रेजिना ने बताया कि धमाका होने पर यह जहरीली गैस दूर-दूर तक फैल जाएगी। इससे लोगों के गले में खराश, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी समस्याएं होंगी। डिजनीलैंड के दो पार्क इस खतरे के दायरे से बाहर हैं, इसलिए वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि टैंक में एक हल्की दरार दिख रही है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर एलियास पिकाजो ने बताया कि यह दरार एक तरह से अच्छी है, क्योंकि इससे थोड़ी-थोड़ी गैस बाहर निकल जाएगी और अंदर का दबाव कम होगा। इससे अधिकारियों को अंदर के केमिकल को ठंडा करके जमाने का समय मिल जाएगा।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.